बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 139 | मंगलवार 10 सितम्बर 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

[सुविचार]

जिनकी कामयाबी नहीं रोकी जा सकती, उनकी बदनामी शुरू की जाती है।

संक्षिप्त समाचार

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन भाजपा कार्यालय को उड़ाने की थी साजिश...

एजेंसी नई दिल्ली। एनआईए ने बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। एजेंसी ने ब्लास्ट के पीछे कट्टर के आतंकियों का हाथ होना बताया है। एनआईए ने अपनी चार्जशीट में मुसाविर हुसैन शाजिब, अब्दुल मथीन अहमद ताहा, माज मुनीर अहमद और मुजम्मिल शरीफ को आरोपी बनाया है। एनआईए ने चार्जशीट में बताया कि कैफे में शाजिब ने बॉम्ब प्लांट किए थे। इसमें अहमद ताहा ने भी उसकी मदद की थी। पूर्व में दोनों आईएसआईएस से भी जुड़े थे। दोनों आतंकी आईएसआईएस की विचारधारा फैलाने का काम करते थे और अन्य मुस्लिम युवाओं को भी इसमें जोड़ने की मुहिम चलाते थे। अन्य दो आरोपी माज मुनीर अहमद और मुजम्मिल शरीफ ऐसे ही युवा हैं, जो उनके बहकावे में आ गए थे।

एयरपोर्ट पर मिले अजित पवार और अमित शाह

- ☛ मुंबई में अमित शाह के कार्यक्रमों में अजित पवार के नदारद रहने से लगाई जा रही थी अटकलें।
- ☛ सीएम शिंदे और अजित पवार के साथ अमित शाह ने एयरपोर्ट पर की संक्षिप्त मुलाकात।

पीटीआई, मुंबई। राजनीतिक गलियारों में लगाई जा रही अटकलों के बीच आखिरकार मुंबई में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बीच मुलाकात हो ही गई। गौरतलब है कि गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय मुंबई दौरे पर हैं इससे पहले उनके एयरपोर्ट पर स्वागत से लेकर गणपति के पंडालो पर दर्शन तक हर जगह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस साथ-साथ थे, लेकिन अजित पवार की गैरमौजूदगी से अफवाहों का बाजार गर्म था। हालांकि, अटकलों पर विराम लगाते हुए दोनों नेता मुंबई एयरपोर्ट पर मिले। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर एक संक्षिप्त बैठक की। इस दौरान उन्होंने कुछ गणेश पंडालों का भी दौरा किया।

ज्ञानवापी वज़ूखाना के अरक सर्वे मामले में बढ़ा इंतजार

प्रयागराज। वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर स्थित वजूखाना के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) से साइंटिफिक सर्वेक्षण की मांग पर इलाहाबाद हाई कोर्ट में सोमवार को सुनवाई नहीं हो सकी। भोजनावकाश के बाद दोपहर दो बजे न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ को यह मामला सुनना था। श्रृंगार गौरी मामले में राखी सिंह ने सिविल पुनरीक्षण याचिका दायर की है। उनके अधिवक्ता सौरभ तिवारी ने बताया कि कोर्ट 11 बजे उठ गई। अब सप्ताह भर बाद सुनवाई संभावित है।

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरुरत है। तुरंत संपर्क करें।

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो.नं:-9911733939

नोएडा उत्तरप्रदेश के पुलिस अधिकारी हुए सम्मानिता

संस्कार उजाला नोएडा
समग्र परिवर्तन ट्रस्ट के पुलिस सम्मान कार्यक्रम की कड़ी में आज के सम्मानित सब इंस्पेटर ओम नारायण त्रिपाठी (दरोगा जी) थाना सेक्टर 63 पुलिस चौकी बहलोलपुर नोएडा में तैनात है। जो आपनी ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा के कारण जनमानस के बीच चर्चा में रहते है। एक साधारण परिवार व सीमित आय होने पर भी वो अनेक गरीब लोगों व वेसहारा लोगों की मदद करते रहते हैं। वह हमेशा आमजन की समस्याओं को सुनकर उनका शीघ्र निवारण करने की कोशिश करते हैं। माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश पुलिस देश की नंबर वन पुलिस मानी जाती है। जब से पुलिस कमीश्नर नोएडा की कमान श्रीमति लक्ष्मी सिंह (IPS) है जी ने सम्भाली है और इनके काबिल अफसरो की टीम बबलू कुमार (IPS), शिवहरी मीणा (IPS), श्रीमति सुमिति सिंह (IPS), रामवदन सिंह (IPS) ,DCP सेन्ट्रल नोएडा श्री शक्ति मोहन अवस्थी (IPS) जैसे अधिकारियों को लेकर आम जनमानस में पुलिस के प्रति ईमानदारी व भयमुक्त, माहौल बना हुआ है। जिससे अपराधों में भी कमी है। समग्र परिवर्तन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष PS तौमर जी, RWA नोएडा के अध्यक्ष NP सिंह व संस्कार उजाला के प्रबंध संपादक महेश शर्मा जी ने (SI) श्री ओमनारायण त्रिपाठी जी को सम्मानित किया व जन सेवा के कार्यों व क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र की जनता की ओर से दरोगा जी को वधाईयों दी गई।

जेलेंस्की भारत का दौरा करने के लिए बहुत उत्सुक हैं

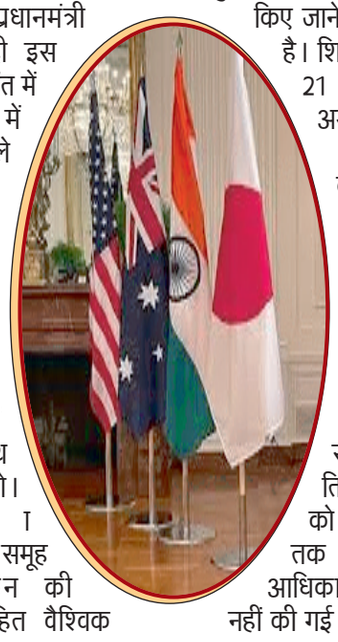

एएनआई, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण दिया था, बताया जा रहा है वो इस साल के अंत तक भारत आ सकते हैं। भारत में यूक्रेन के राजदूत ऑलेक्जेंडर पोलिशचुक ने ये जानकारी दी है। यूक्रेन के राजदूत ने आगे कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने मेरे राष्ट्रपति को भारत आने के लिए आमंत्रित किया और मुझे उम्मीद है कि ऐसा होगा। शायद इस साल के अंत तक, हम राष्ट्रपति जेलेंस्की को यहां देखकर खुश होंगे, हालांकि अभी तारीख तय नहीं हुई वो कब तक भारत आएंगे। यह हमारे द्विपक्षीय संबंधों में एक और कदम आगे बढ़ने का प्रतीक होगा। यह दोनों नेताओं को दुनिया भर में शांति-निर्माण प्रक्रिया पर चर्चा करने के लिए अधिक समय बिताने का एक बड़ा अवसर प्रदान करेगा।

सुनवाई के दौरान उखक ने और क्या पूछा?

- सीबीआई को अगली सुनवाई तक ताजा स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश।
- सिब्बल बोले- डॉक्टरों की हड़ताल से 23 लोगों की हुई मौत

पीटीआई, नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर के बलात्कार और हत्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट में फिर से सुनवाई शुरू हो गई है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है पीठ ने सुनवाई करते हुए बंगाल सरकार से कई सवाल भी किए। सीजेआई ने इसी के साथ सीबीआई की स्टेटस रिपोर्ट पर कई सवाल पूछे। बाद में सीजेआई ने सीबीआई को अगली सुनवाई तक ताजा स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

डेलावेयर में होगा क्वाड का शिखर सम्मेलन, PM मोदी लेंगे भाग

नई दिल्ली। पीटीआई, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस महीने के अंत में अमेरिका में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन में अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया के नेताओं के साथ शामिल होंगे। इस प्रभावशाली समूह द्वारा यूक्रेन की स्थिति सहित वैश्विक चुनौतियों पर विचार-विमर्श किए जाने की संभावना है। शिखर सम्मेलन 21 सितंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के गृह नगर विलमिंगटन, डेलावेयर में होने की संभावना है। हालांकि, शिखर सम्मेलन की तिथि और स्थल को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

कोलकाता कांड पर प्रदर्शनों के दौरान 23 लोगों की गई जान...

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आज कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर हत्या मामले पर फिर से सुनवाई हुई। कोर्ट ने सीबीआई से स्टेटस रिपोर्ट मांगी और उसे देखकर कई सवाल भी उठाए। कोर्ट ने इसी के साथ सीबीआई को 17 सितंबर तक ताजा स्टेटस रिपोर्ट भी जमा करने का निर्देश दिया। कोर्ट को आज बंगाल सरकार की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने स्टेटस रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट का हवाला देते हुए सर्वोच्च न्यायालय को बताया गया कि जब राज्य में डॉक्टर काम नहीं कर रहे थे तब 23 लोगों की मौत हो गई।

कोलकाता दुष्कर्म मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई ।

पीटीआई, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर की हत्या और दुष्कर्म मामले पर सोमवार को सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पाडीर्वाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ नौ सितंबर को मामले की सुनवाई करेगी, जिसे शीर्ष अदालत ने स्वयं शुरू किया था। इस मामले को लेकर सीबीआई आज कोर्ट के सामने अपनी स्टेटस रिपोर्ट सौंपेगी। केंद्र ने हाल ही में शीर्ष अदालत में एक आवेदन दायर किया है, जिसमें अस्पताल में सुरक्षा प्रदान करने का काम करने वाले सीआइएसएफ को बंगाल सरकार द्वारा सहयोग न देने का आरोप लगाया गया है। अपने आवेदन में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य के अधिकारियों को सीआइएसएफ को पूर्ण सहयोग देने का निर्देश देने की मांग की है।

3 युवकों ने कई बार किया सामूहिक दुष्कर्म

- ✦घर में आरोपियों ने किया सामूहिक दुष्कर्म।
- ✦तेलंगाना के सिद्दीपेट जिले का है मामला।
- ✦तेलंगाना पुलिस ने 3 आरोपियों को पकड़ा

हैदराबाद। तेलंगाना में नौवीं कक्षा की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने रविवार को तीनों आरोपियों को दबोच लिया है। आरोपियों ने बहला-फुसलाकर घिनौनी वारदात को अंजाम दिया।

अब इजराइल को हथियार नहीं भेज सकेगा भारत?

- SC ने कहा- हम विदेश नीति में दखल नहीं दे सकते हैं।
- कोर्ट ने खारिज की जनहित याचिका।

पीटीआई, नई दिल्ली। SC भारत द्वारा इजरायल को निर्यात किए जा रहे हथियारों और सैन्य उपकरणों पर रोक लगाने के लिए बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। कोर्ट से केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई थी कि इस पर रोक लगा दी जाए। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस पर अपना फैसला दे दिया है। दरअसल, इजरायल गाजा में फलस्तीनी लड़ाकों के साथ युद्ध लड़ रहा है। इजरायल को भारतीय कंपनियां अपने हथियार बेच रही है। मामले में दाखिल जनहित याचिका पर आज कोर्ट ने कहा कि हम देश की विदेश नीति में दखल नहीं दे सकते हैं। कोर्ट ने इसी के साथ याचिका खारिज कर दी।

रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट ,जांच एजेंसी ने चार्जशीट में चार लोगों को आरोपी बनाया है।

- ☛हाई-प्रोफाइल रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में एनआई ने दाखिल की चार्जशीट।
- ☛चार लोगों को बनाया आरोपी, जो कि सभी फिलहाल हिरासत में हैं

एएनआई, नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी, ठक्ष्ञ ने सोमवार को हाई-प्रोफाइल बेंगलुरु रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी। इसमें एजेंसी ने चार लोगों को आरोपी बनाया है। एनआईए ने मुसाविर हुसैन शाजिब, अब्दुल मथीन अहमद ताहा, माज मुनीर अहमद और मुजम्मिल शरीफ के रूप में पहचाने गए आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आरोप पत्र दायर किया गया है। चारों को पहले गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में मामले में न्यायिक हिरासत में हैं।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा चिंतित क्यों?

एजेंसी, नई दिल्ली। भाजपा के लिए दिल्ली में मुस्लिमों के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने की चुनौती है। प्रत्येक चुनाव में मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशी पिछड़ते हैं। लोकसभा चुनाव में भी सातों संसदीय सीटें जीतने के बावजूद ओखला, मटिया महल जैसे मुस्लिम बहुल विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा बड़े मतों से पिछड़ गई थी। लगभग पांच माह बाद दिल्ली में विधानसभा चुनाव हैं। उससे पहले शुरू हुए सदस्यता अभियान में कार्यकर्ताओं के लिए मुस्लिमों के बीच जाकर अपनी बात रखने का अच्छा अवसर है। पार्टी ने दिल्ली में तीन लाख मुस्लिमों को अपने साथ जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। पूरे देश में 50 लाख मुस्लिमों को पार्टी के साथ जोड़ने का लक्ष्य है।

हरियाणा विधान सभा चुनावी दंगल में राजनीतिक दलो की नई मुसीबतें

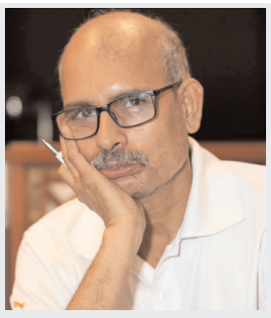

विनोद कुमार सिंह

आज आप का ध्यान हरियाणा के राज्य विधानसभा चुनावी दंगल से सम्बधित दाव पेंच पर करने वाले है।जैसा कि आप सभी को मालुम है कि दो राज्यों अर्थात जम्मु कश्मीर व हरियाणा में विधान सभा के होने वाली है जम्मु- कश्मीर में धारा370के हटने के बाद10 वर्षो के बाद चुनाव हो रही है।वही हरियाणा में 5 वर्ष बाद जहाँ कुछ महीनों राज्य के मुख्य मनोहर लाल कट्टर को हटाकर सैनी को सता की कमान सौंपी गई थी। जैसा कि हमने आपसे वादा किया था आज हम हरियाणा के विधान सभा चुनाव पर चर्चा करेंगे।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के बीच बातचीत का लम्बे दौर के बाद दोनो दोनो में सहमति हो गई आप अपने 5 सीटों पर चुनाव लडेगीं । काँग्रेस पार्टी व आम आदमी पार्टी का इण्डिया ब्लाग के तर्ज पर गठबन्धन करने बैठको का दौर के बाद दोनो दलों में एक तरफ सहमति बन गई है।वही दुसरी तरफ हरियाणा में विधानसभा चुनाव के पास आते ही राजनीतिक पारा तेजी से ऊपर चढ़ने लगा है।

विनोद कुमार सिंह,स्वतंत्र पत्रकार देश की राजधानी दिल्ली से सटे हुए पड़ोसी राज्य हरियाणा की चर्चा चहुँ दिशाओं में हो रही है। हॉलाकि हरियाणा व हरियाणवी लोक संस्कृति,चौपाल व अखाड़े व किसानों पहलवानों ' खिलाड़ियो को लेकर होती रहती है।चाहे वह किसान आन्दोलन हो कुश्ती व अन्य खेलो पदकों के जीत का जशन हो आदि। आज आप का ध्यान हरियाणा के राज्य विधानसभा चुनावी दंगल से सम्बधित दाव पेंच पर करने वाले है।जैसा कि आप सभी को मालुम है कि दो राज्यों अर्थात जम्मु कश्मीर व हरियाणा में विधान सभा के होने वाली है जम्मु- कश्मीर में धारा370के हटने के बाद10 वर्षो के बाद चुनाव हो रही है।वही हरियाणा में 5 वर्ष बाद जहाँ कुछ महीनों राज्य के मुख्य मनोहर लाल कट्टर को हटाकर सैनी को सता की कमान सौंपी गई थी।जैसा कि हमने आपसे वादा किया था आज हम हरियाणा के विधान सभा चुनाव पर चर्चा करेंगे।आप को बता दे कि * हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के बीच बातचीत का लम्बे दौर के बाद दोनो दोनो में सहमति हो गई आप अपने 5 सीटों पर चुनाव लडेगीं । *काँग्रेस पार्टी व आम आदमी पार्टी का इण्डिया ब्लाग के तर्ज पर गठबन्धन करने बैठको का दौर के बाद दोनो दलों में एक तरफ सहमति बन गई है।वही दुसरी तरफ हरियाणा में विधानसभा चुनाव के पास आते ही राजनीतिक पारा तेजी से ऊपर चढ़ने लगा है।*दुसरी तरफ हरियाणा में विधानसभा चुनाव के पास आते ही राजनीतिक पारा तेजी से ऊपर चढ़ने लगा है। तमाम राजनीतिक पार्टियाँ अपने अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करने के साथ ही अब चुनाव प्रचार पर अपना ध्यान कर रही है। राज्य के दोनो राजनीतिक दलों भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)और कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची तक जारी कर दी है।बीजेपी ने अपनी पहली सूची में जहाँ हरियाणा की 90 में से 67सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है तो वहीं कांग्रेस ने अपनी पहली लिस्ट में कुल32उम्मीद वारों के नामों का ऐलान किया है।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच बातचीत लम्बे दौर बाद दोनो पार्टी में रहमति बन गई है।गौरतलब रहे कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस आम आदमी पार्टी(आप) के साथ भी सीट बंटवारे पर दोनों पार्टियों के बीच सीट-बंटवारे पर सहमति बन गई है।हरियाणा राजनीति पर पैनी नजर रखने वालें राजनीतिक पंडितों का मानना है कि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ गठबंधन पर आपत्ति जताई है।जानकारी के मुताबिक हुड्डा गुट और कुछ अन्य नेता आप के साथ सीट बंटवारे के

खिलाफ हैं।इन नेताओं का मानना है कि केजरीवाल की पार्टी का हरियाणा में कोई खास आधार नहीं है।वहीं, कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को 32उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की।इसमें राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को गढ़ी सांपला-किलोई,पहलवान विनेश फोगाट को जुलाना और राज्य इकाई के प्रमुख उदयभान को होडल सीट से उम्मीदवार बनाया गया है।कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति(सीईसी)की नयी दिल्ली में हुई बैठक के बाद उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की गई। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे,पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी महासचिव एवं संगठन प्रभारी के.सी.वेणुगोपाल,अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी)के हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया और हुड्डा समेत अन्य लोग शामिल हुए। एक तरफ काँग्रेस पार्टी व आम आदमी पार्टी का इण्डिया ब्लाग के तर्ज पर गठबन्धन करने बैठको का दौर जारी है वही दुसरी तरफ हरियाणा में विधानसभा चुनाव के पास आते ही राजनीतिक पारा तेजी से ऊपर चढ़ने लगा है। तमाम राजनीतिक पार्टियाँ अपने अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करने के साथ ही अब चुनाव प्रचार पर अपना ध्यान कर रही है।राज्य के दोनो राजनीतिक दलों भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)और कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची तक जारी कर दी है।बीजेपी ने अपनी पहली सूची में जहां हरियाणा की 90 में से 67 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है तो वहीं कांग्रेस ने अपनी पहली लिस्ट में कुल 32 उम्मीद वारों के नामों का ऐलान किया है।वही हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत दौर चल रही है,लेकिन इन सबके बीच बीजेपी और कांग्रेस के लिएअपने ही नेता मुसीबत खड़ी करते नजर आ रहे हैं।ये वो नेता है जिन्हें पार्टी ने उनकी सीट से इस बार टिकट नहीं दिया है।अब ये नेता अपनी पार्टी के खिलाफ ही विद्रोह की विगुल बजाते हुए नजर आ रहे हैं।राज्य विधानसभा चुनाव के दिन जैसे-जैसे नजदीक आ रहे है राजनीतिक दलों के लिए मुसीबत बढ़ती नजर आ रही है।राज्यों के विधान सभा चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दलों में अपने दलों की उम्मीदवारों के लिस्ट जारी करने के लिए माथा पच्ची व मैराथन बैठकों के दौर के बाद कुछ उम्मींदवारों की सुची जारी हो के बाद कई राजनेताओं नें अपना विरोध जताया है।कुछ न तो पार्टी के आला कमान के फैसले के विरोध अपनी पार्टी से इस्तीफा दे कर विरोधी दलों के खेमें में शामिल तक हो गया।ऐसा दृश्य पहले भाजपा के बाद अब कांग्रेस के नेताओं ने पार्टी के खिलाफ ही चुनाव लड़ने का किया ऐलान तक कर दिया है।पार्टी के द्वारा सुची के सामने आने के बाद काँगेस पार्टी के अंदर कई नेता आलाकमान से नाराज चल रहे हैं।इस सुची में सबसे पहला नाम बहादुरगढ़ के राजेश जून का है।उन्होंने विधान सभा निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दिया है।कांग्रेस की पहली सूची जारी होने के बाद पार्टी के बड़े नेता राजेश जून ने अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है।उन्होंने ऐलान किया है कि पार्टी ने उन्हें भले उम्मीदवार नहीं बनाया है लेकिन वो बहादुरगढ़ से बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।राजेश जून ने चुनाव लड़ने का ऐलान करने के बाद अपने समर्थकों के साथ एक बैठक भी की है।उन्होंने कहा मेरे साथ कांग्रेस नेतृत्व ने धोखा किया है,लेकिन मैं हार नहीं मानने वाला हूं मैं इस चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार की तुलना दोगुने वोट लेकर विधायक चुना जाऊँगा । पार्टी के वरिष्ठ नेताओं मुझसे वादा किया था कि वें मुझे टिकट देंगे,लेकिन ऐसा हुआ नहीं.

आपको बता दें कि कुछ दिन पहले ही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)ने भी अपने67उम्मीद वारों की पहली सूची जारी की थी।पहली लिस्ट को आए अभी 24 घंटे भी नहीं हुए थे कि बीजेपी में इसे लेकर विरोध के स्वर बुलंद होने लगे थे।बीजेपी के खिलाफ बगावत करने वालों में खास तौर पर तीन बड़े नेता शामिल थे।इन नेताओं ने पार्टी के पदों से इस्तीफा भी दे दिया था. इस लिस्ट में पहले नंबर पर थे कर्णदेव कांबोज आप को बता दे कि कंबोज वर्तमान में हरियाणा में भाजपा के ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष थे।उन्होंने इंद्री से टिकट ना मिलने के बाद भाजपा के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था।पार्टी पद से इस्तीफा देने वालों में रणजीत सिंह चौटाला और कविता जैन जैसे नेताओं नाम भी शामिल है।हरियाणा के कैबिनेट मंत्री चौधरी रणजीत सिंह चौटाला का भी नाम लिस्ट से गायब था।बीजेपी की पहली लिस्ट से अपना नाम गायब देखने के बाद रणजीत सिंह चौटाला ने अपने समर्थकों की एक बैठक बुलाई थी।वही काँग्रेस पार्टी के लिए एक बुरी खबर आ रही है कि हरियाणा विधान सभा चुनावी दंगल में पार्टी ने दो अन्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पहलवान विनेश व बजंरग को उत्तरा था।दोनो पहवानों ने आनन फानन में काग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर लिया।बजरंग पहलवान को पार्टी में नई जिम्मेदारी सौपी वही विनेश को विधान सभा चुनावी मैदान दंगल में टिकट दे कर उतार दिया।राजनीतिक शतरंज के सह मात में चाल में दोनो पहलवान फॅसते नजर आ रहे है।सर्वविदित रहे कि दोनो पहलवान रेलवे में अपनी सेवा दे रहे है।यानि न रेलवे में दोनो नौकरी करते है।बजरंग की राजनीतिक गतिविधियों को देखते हुए रेलवे ने 4 सितंबर को उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था।इसके बाद 6 सितंबर को दोनों पहल वानों ने रेलवे में अपने पद से इस्तीफा दे दिया और उसके बाद काग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली।विनेश उत्तर रेलवे में खेल विभाग में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (ओएसडी)के पद पर कार्यरत थी।उन्होंने रेलवे को तत्काल प्रभाव वाला इस्तीफा दिया।बजरंग रेलवे के खेल विभाग में डरऊ पद पर थे। विनेश के बाद उन्होंने भी रेलवे को तत्काल प्रभाव वाला इस्तीफा भेजा था।दोनों के इस्तीफों को रेलवे ने अभी तक स्वीकार नहीं किया है।रेलवे के अनुसार कोई कर्मचारी नौकरी में रहते हुए इस्तीफा देता है तो उसे 3 महीने का नोटिस देना पड़ता है।इसके अनुसार 3 महीने तक नोटिस में कभी कर्मचारी का मन फिर से नौकरी में आने का होता है तो वह अपना इस्तीफा वापस भी ले सकता है।अगर कोई कर्मचारी तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता है तो उसमें वापसी की गुंजाइश खत्म हो जाती है।राजनीतिक हल्कों में चर्चा बनी हुई है कि विना इस्तीफा स्वीकार हुए विनेश चुनाव लड़ पाएंगी? .चुनाव आयोग के अनुसार सरकारी पद पर आसीन किसी भी व्यक्ति को चुनाव लड़ने के लिए पहले अपने पद से इस्तीफा देना होता है। संबंधित विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र(एनओसी)लेनी होती है। इसके बिना रिटर्निंग अधिकारी किसी भी उम्मीदवार का आवेदन तक स्वीकार नहीं करते हैं। कुछ लोगों के दिलचस्प चर्चा छीड़ सी गई थी अब होगा कि विनेश चुनाव लड़ पाएंगी या नहीं। मै आप को स्पष्ट कर दूँ कि सुत्रो का हवाले खबर आ रही है कि दोनों पहलवानों का इस्तीफा रेलवें ने मंजूर कर लिया है।दोनो राज्यो के विधान सभा के चुनाव भाजपा व काँग्रेस के लिए चुनाव में जीत हासिल एक प्रतिष्ठा बन गया है। दोनो पार्टी अपने अपने सहयोगीयों के साथ मिलकर चुनावी शतरंज सियासी चाल में सह-मात का खेल शुरू कर दिया है।लैकिन इसका असली चाल जनता जनार्दन के पास है,क्योकि उन्हे ही अपना प्रतिनिधि चुनना है। चुनावी दंगल में किसकी जीत होगी,किसकी हार होगी यह तो 8 अक्तुबर को मतगना के बाद ही पता चलेगा।तब तक आप को इंतजार करना होगा। *लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार है।*

संपादकीय

स्थायी शांति पहली शर्त

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपना एजेंड़ा तय कर लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह के बयान में इसकी झलक दिखती है। शनिवार को जम्मू में एक सभा में उन्होंने साफ शब्दों कहा कि, जब तक शांति स्थायी नहीं हो जाती, तब तक पाकिस्तान से बातचीत नहीं हो सकती। यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के बाद उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं, और शनिवार को भाजपा के प्रचार अभियान की शुरूआत करते हुए शाह ने उन तमाम मुद्दों को छुआ जिन्हें प्रमुख विपक्षी पार्टियों-नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीड़ीपी-ने अपने चुनाव घोषणापत्र में शामिल किया है। गृह मंत्री ने कहा कि यह जम्मू-कश्मीर में पहला चुनाव है जब एक ही झंड़ा, एक ही संविधान और एक ही प्रधानमंत्री होगा। एनसी ने अपने घोषणापत्र में पाकिस्तान से बातचीत की वकालत की है। पीड़ीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती भी ऐसा कह चुकी हैं। गुज्जर-बकरवाल के लिए आरक्षण व्यवस्था पर भी विपक्षी दलों ने सवाल उठाए हैं। गुज्जर-बकरवाल समुदाय को अंदेशा है कि पहाड़ियों को आरक्षण दिए जाने से उनकी हकमारी हो सकती है। एसटी आरक्षण में उनका हिस्सा कम हो सकता है। इस कारण उनमें आक्रोश है, जिसे विपक्षी दल हवा देते रहे हैं। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि कोईभी ताकत इस आरक्षण को छू नहीं सकती। राज्य की दर्जा बहाली पर उन्होंने कहा कि किसी को कोई भ्रम न रहे और न ही कोई अनभिज्ञ बना रहे। पांच अगस्त, 2019 के अपने भाषण में ही उन्होंने स्पष्ट कहा था कि चुनाव के बाद उचित समय पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। राज्य में जल्द से जल्द चुनाव के लिएसुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा था कि राज्य में निर्वाचित सरकार होना जरूरी है। उसके बाद से जम्मू-कश्मीर में जनता को लोकप्रिय सरकार की प्रतीक्षा है। अब उनकी मुराद पूरी होने जा रही है। शाह जानते हैं कि विपक्षी पार्टी कांग्रेस, नेका और पीड़ीपी राज्य की दर्जा बहाली को मुद्दा बना रहे हैं। पाकिस्तान से बातचीत की पैरोकारी करने वाले नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीड़ीपर पर भी शाह हमलावर रहे। राज्य में चुनाव अभियान जोर पकड़ चुका है और आने वाले दिनों में यह और प्रभावी तरीके से दिखेगा। स्वाभाविक रूप से स्वायत्तता, अनुच्छेद 370 की वापसी, पाकिस्तान से बातचीत जैसे मुद्दों पर राज्य के मतदाता अपना फैसला देने वाले हैं।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवसः आत्महत्या नहीं है किसी भी समस्या का हल

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2024 की थीम है 'आत्महत्या पर कहानी बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्याएं की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं। जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता। मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हैल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग की मांग की जा सकती है। इसके अलावा भी कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है।

जल संकटः पहाड़.से मैदान तक दुश्वारियां

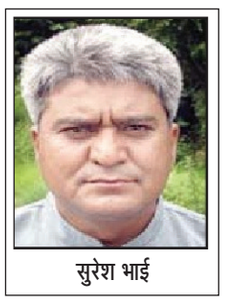

सुरेश भाई

अगस्त के अंतिम सप्ताह में उत्तर प्रदेश में अमेठी जल बिरादरी के जल साक्षरता अभियान में आसल देव इंटर कॉलेज की एक छात्रा ने कहा कि पानी की निरंतर कमी से महसूस होता है कि भविष्य में उनकी जैसी उम्र वाली बेटियों की शादी के पाणिग्रहण संस्कार से पहले ही कुओं का पानी सूखने वाला है। दूसरी ओर, हिमालय क्षेत्र की तरफ देखें तो यहां बरसात के समय भीषण बाढ़ से जनधन की अपार हानि हो रही है जिससे स्पष्ट है कि वर्षा जल के प्रबंधन के तरीकों पर काम करने का अभाव दिखाई देता है। शीतकाल में बर्फ भी कम पड़ने से ग्लेशियर बहुत जल्दी पिघल जाते हैं। ताजा स्थिति बताती है कि हर साल हिमालय में 20-30 मी. तक ग्लेशियर पीछे हट रहे हैं।

अभी तक हिमालय की संवेदनशीलता के अनुसार यह निश्चित नहीं किया जा सका है कि जल, जंगल, जमीन के संरक्षण और विकास के पहलुओं पर जिन आवश्यक बिंदुओं पर विचार करना चाहिए था, उसके स्थान पर बहुत जल्दी में पर्यटकों को सुविधा देने के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों की बबार्दी हो रही है। वनों के बीच से आने वाली हजारों जलधाराएं बरसात के समय नदियों के पानी में उफान पैदा करती हैं लेकिन शेष मौसमों में 70 प्रतिशत जलधाराएं सूख जाती हैं जिसके कारण शैवाल, शंकुधारी देवदार, राई, कैल, मुरेंडा, रेशेदार प्रजातियां, बुग्याल, औषधीय गुण वाले पादपों की संख्या निरंतर घट रही है। हिमालय क्षेत्र की ये प्रजातियां जल संरक्षण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हिमालय जैसी ऊंची पर्वत श्रृंखला में जब ऐसे परिवर्तन दिखाई दे रहे हों तो उनका प्रभाव निचले क्षेत्र में दूर-दूर तक फैले मैदानी भू-भाग पर पड़ना लाजिम है जहां पर भूमिगत जल की निरंतर कमी हो रही है। कई स्थानों पर भूमिगत जल 40 से 60 फीट नीचे चला गया है। वेटलैंड़ तेजी से घट रहे हैं, जिनके आसपास के जंगल विकास के नाम पर काटे जा रहे हैं। भूमिगत पानी निकालने की नई-नई तकनीकी आ रही हैं, जो गहराई तक पहुंच कर शेष बचे जल का दोहन करके सूखे की जैसी स्थिति पैदा कर रही है। जल को बोतलों में भर कर बेचने वाले व्यापारी भी धरती के पेट में व्यापक प्रदूषण पैदा कर रहे हैं। पहाड़ से मैदान तक घट रही जल राशि से नदियों की हालत नाले के रूप में दिखाई दे रही है।

जल बिरादरी के भूगोलविद ड़ॉ. अर्जुन पांडे कहते हैं कि अमेठी में कोका-कोला प्लांट डार्क जोन में लगाया गया है जो पानी की सर्वाधिक कमी वाला क्षेत्र है जहां लोगों को पेयजल की आपूर्ति भूमिगत पानी से ही होती है लेकिन अब वहां के कुएं और तालाबों का पानी सूखने लगा है। नदियां शोषण, प्रदूषण, अतिक्रमण की मार झेल रही है। हिमालय की छोटी भौगोलिक संरचना को नजरअंदाज कर सुरंग आधारित और बड़े-बड़े निर्माण कार्य को विकास के रूप में प्रमुखता दी जा रही है। जिस हिमालय क्षेत्र को हम जल का भंडार कहते हैं, वहां से आ रही गंगा-जमुना और सहायक नदियों का मैदानी क्षेत्र की प्यास बुझाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका है। यदि हम संयम और संतुलित विकास को स्वीकृति न दे सके तो समझ लीजिए कि 2100 से पहले ही पहाड़ से मैदान तक पानी ढूंढना पड़ सकता है। मैदान के जैसे पहाड़ों पर बसे सैकड़ों गांव में भी टैंकरों से पानी की आपूर्ति हो रही है जबकि बगल में कोई न कोई गंगा बह रही होती है। ये विपरीत परिस्थितियां क्यों पैदा हुई हैं?

हिमालय के तीर्थ स्थलों को पर्यटन क्षेत्र के रूप में महत्त्व मिलने के बाद पानी, मिट्टी, जंगल बचाना भी मुश्किल हो रहा है। इसका कारण है कि यहां मैदानों के जैसे स्थान नहीं हैं जहां एक साथ हजारों पर्यटक ठहर सकें। इसके बावजूद बड़ी संख्या में पर्यटकों के ठहरने के लिए बन रही बहुमंजिली इमारतें, चौड़ी सड़कें, वनों का अंधाधुंध कटान, वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही, नदियों को बांधने, हैली सेवाओं का उपयोग हिमालय की बर्फ को भी पिघला रहा है। बाढ़, भूस्खलन और भूगर्भिक हलचल यहां तेजी से बढ़ रही है। मैदानी क्षेत्रों में जहां से गंगा में छोटी-छोटी जलधाराएं आ रही हैं वहां जल स्रोतों के आसपास भी पर्यटन संस्कृति जन्म ले चुकी है। जल

साक्षरता अभियान और पानी बाबा के नाम से विख्यात अरुण तिवारी कहते हैं कि मैदानी क्षेत्रों में सूखते जल स्रोतों के आसपास मानवीय हलचल अधिक बढ़ेगी, चारों ओर बड़े निर्माण कार्य होंगे तो जल संरचनाएं सूख जाएंगी। पर्यटकों की आवाजाही से चारों तरफ प्लास्टिक कल्चर भी बढ़ेगा। इससे बचने का एक ही उपाय है कि जहां से जल स्रोत निकल रहे हैं, उन स्थानों को अधिक मानवीय हलचलों से बचाया जाए। इसको ध्यान में रखते हुए हिमालय से मैदान तक 'कल के लिए जल' साक्षरता को महसूस किया गया है जिसके लिए जल बिरादरी ने अमेठी, रायबरेली, बाराबंकी, लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव की यात्रा की है। 'हिमालय बचेगा, गंगा बहेगी' के विचार को जन-जन के बीच पहुंचाने के लिए जल साक्षरता इकाइयों का गठन भी किया गया है।

भाकियू कैम्प कार्यालय पर मजदूर किसानों की समस्याओ को लेकर मासिक पंचायत हुई आयोजित

गढ़मुक्तेश्वर/ किसानों के मसीहा स्वर्गीय महेंद्र सिंह टिकैत जयंती 6 अक्टूबर को लखनऊ में धूमधाम से मनाई जाएगी

जिसको लेकर 5 अक्टूबर को हापुड़ रेलवे स्टेशन से होगा किसानों का जत्था लखनऊ के लिए रवाना होगा

संस्कार उजाला

हापुड़ :/मजदूरो किसानों की समस्याओं को लेकर जिला कार्यकारणी के निर्णयनुसार सोमवार को कैम्प कार्यालय गढ़मुक्तेश्वर पर मासिक पंचायत का आयोजन किया गया है। जिसकी अध्यक्षता चंपत सिंह और संचालन महिपाल सिंह उर्फ गुजराल संगठन मंत्री मेरठ मंडल ने किया। मासिक पंचायत के दौरान जिला अध्यक्ष दिनेश खेड़ा ने कहा कि आगामी 6 अक्टूबर को किसानों के मसीहा स्वर्गीय बाबा महेंद्र सिंह टिकैत जयंती लखनऊ में मनाई जाएगी। जिसके लिए सभी किसान यूनियन के पदाधिकारी और किसान 5 अक्टूबर की शाम को हापुड़ रेलवे स्टेशन से रवाना होंगे। जिसके लिए समय से पहुँचा जाएगा।वहीं इसके साथ साथ जनपद मुख्यालय पर प्रत्येक माह के तीसरे बुधवार को आयोजित होने वाले किसान दिवस में पहुँचकर अपनी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत जरूर कराए ताकि किसानों की समस्याओं का निस्तारण हो सकेगा। जिसको लेकर मासिक पंचायत हुई जिसमें किसानो और मजदूरों की समस्याओं पर चर्चा की गई है। आयोजित मासिक पंचायत में जिला प्रवक्ता कुँवर खुशनूद,श्याम सुंदर त्यागी तहसील अध्यक्ष गढ़मुक्तेश्वर, पीके वर्मा जिला संरक्षक,शब्बू चौधरी मंडल उपाध्यक्ष,डॉक्टर मतलूब,रणवीर सिंह जिला प्रचार मंत्री अनिल त्यागी,बिल्लू त्यागी,गढ़ ब्लॉक संयोजक हाजी नासिर,सरिता देवी, राजवीरी,प्रीति देवी, नौशाद अली,गुड्डू, जावेद,आस मौहम्मद,मुजाहिद, नफीस अहमद, शाहिद ग्राम अध्यक्ष, मोहम्मद मुस्ताक, नाजिम,चेतराम चौहान,ललित कुमार,प्रवीण कुमार, जुबेर अहमद,यूनुस मलिक,इरशाद अली महेश केवट,अशोक निषाद,शमशाद अली,विनोद शर्मा, लोकेंद्र चौधरी, पालूराम कंचिद्द, रिंकू,इंतजार, मोहम्मद कामिल, डॉक्टर अनिल समेत जिला स्तरीय,तहसील,ब्लॉक और ग्राम स्तरीय सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व सैनिक संस्था के प्रतिनिधिमंडल ने संसद को पूर्व सैनिकों की समस्याओं से कराया रूबरू

संस्कार उजाला

हापुड़ /जनपद हापुड़ के पूर्व सैनिक संस्था के प्रतिनिधि मंडल द्वारा मेरठ लोकसभा सांसद अरुण गोविल से मेरठ सर्किट हाउस में मुलाकात कर हापुड़ में ईसीएचएस पोलीक्लीनिक की स्थापना हेतु पत्र देकर कार्यवाही की मांग की। पूर्वसैनिक वारंट आफिसर मनबीर सिंह,उपाध्यक्ष जिला सैनिक बंधु ने कहा कि हापुड़ में ईसीएचएस पोलीक्लीनिक न होने के कारण हापुड़ के पूर्व सैनिकों को 50 से 80 किमी दूर मेरठ पोलीक्लीनिक में जाना पड़ता है। जिसके कारण उन्हें शारीरिक,मानसिक परेशानी के साथ ही आर्थिक नुकसान भी होता है। गत कई वर्षों से पूर्व सैनिकों द्वारा पोलीक्लीनिक की स्थापना हेतु सम्बंधित अधिकारियो एवं विभाग में पत्राचार आवेदन किया जाता रहा है।परंतु हापुड़ का आवेदन यह लिखकर निस्तारण कर दिया जाता है कि हापुड़ से मेरठ की दूरी मात्र 35 से 40 किमी है। जबकि नोएडा में मात्र 02 से 04 किमी की दूरी पर दो नये तथा मेरठ में भी एक और नया पोलीक्लीनिक प्रस्तावित है। जबकि दोनों स्थानों पर पूर्व में पोलीक्लीनिक स्थापित हैं। इस प्रकार यह हापुड़ के पूर्व सैनिकों के साथ नाइंसाफी है। माननीय सांसद अरुण गोविल द्वारा पूर्व सैनिकों की मांग/ समस्या को जायज व सही मानकर सम्बंधित विभाग को कार्यवाही करने हेतु पत्र लिखकर पूर्व सैनिकों की समस्या का हर संभव निस्तारण करने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर वारंट आफिसर मनबीर सिंह- उपाध्यक्ष जिला सैनिक बंधु,कैप्टन राजेश चौधरी,कैप्टन गोपीचंद सूबेदार राजेन्द्र सिंह व हवलदार शाहिद अली उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

गढ़मुक्तेश्वर दंपति और उसकी बेटी के साथ मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी

संस्कार उजाला

रिपोर्टर भूपेंद्र वर्मा दंपति परिवार के साथ मारपीट पीटने के मामले को लेकर पीड़ित परिवार में रोष गढ़मुक्तेश्वर/ सिंभावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव सिखेड़ा मुरादाबाद में गाली-गलौज का विरोध करने पर दंपति और बटी के साथ मारपीट करने का प्रकाश में आया है। जिसमें पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। बता दें कि गांव सिखेड़ा मुरादाबाद के रहने वाले रामेश्वर पुत्र किशन पाल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए अपनी तहरीर में उल्लेख किया है कि शनिवार की शाम समय लगभग 6:00 बजे अपनी बेटी मानसी और पत्नी राजेन्द्री के साथ घर पर बैठा था।तभी तीन लोग घर के बाहर आकर गाली-गलौज करने लगे।विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी।बेटी ने वीडियो बनाने का प्रयास किया,तो बेटी और पत्नी के साथ बेहरमी से मारपीट की। शोर शराबा सुनकर पड़ोसियों को आता देख आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गए। इंस्पेक्टर विनोद पांडे ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर सिखैडा के रहने वाले मोहित, योगेश और रिषभ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सिंभावली शुगर मिल के द्वारा ट्रांसपोर्टरों के गन्ना ढुलाई का भुगतान नहीं करने पर ट्रांसपोर्टरों ने अनिश्चित कालीन धरना किया शुरू

संस्कार उजाला

जिला प्रभारी अमित शर्मा

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली शुगर मिल के द्वारा ट्रांसपोर्टरों के द्वारा गाना धुलाई सत्र सीजन 2023-24 का भुगतान नहीं करने को लेकर ट्रांसपोर्टों ने अनिश्चितकालीन धरना किया शुरू। बता दें कि सिंभावली शुगर मिल में गाना ढलाई का भुगतान नहीं करने को लेकर ट्रांस्पोर्टरों ने चीनी मिल के मुख्य गेट पर सोमवार को ट्रांसपोर्टरों ने गन्ना ढुलाई और भराई 2023- 24 पेराई सत्र के करोड़ों रुपए के बकाया भुगतान को लेकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है।ट्रांसपोर्टरों ने गेट पर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। ट्रांसपोर्टर सलीम बीरमपुर ने कहा कि नए पेराई सत्र शुरू करने की तैयारी की जा रही है।जबकि पिछले पेराई सत्र का भुगतान नहीं मिल पाया है।ट्रांसपोर्ट के दौरान लेबर खर्चा और डीजल आदि पहले खर्च कर गन्ना ढुलाई और भराई की जाती है।उसके बाद मिल द्वारा भुगतान किया जाता है। ट्रांसपोर्टरों को मुनाफे के बजाय घाटा हो रहा है। इस मौके पर ट्रांसपोर्टर वीरेश चौधरी,सरदार बलविंद्र सिंह, मुजम्मिल,सुभाष प्रधान,कर्मवीर सिंह, शादाब हुसैन,धीरज,जसवीर चौधरी,वासिल, यशपाल चौधरी,नौशेर, राशिद आदि ट्रांसपोर्टर मौजूद रहे।

दबंगों ने युवक को मारपीट कर किया घायल पीड़िता मां ने जान माल की सुरक्षा की लगाई गुहार

संस्कार उजाला

रिपोर्टर भूपेंद्र वर्मा

हापुड़/हाफिजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव उबारपुर में दबंगों के द्वारा बड़े शहरों पीड़िता के बेटे को घर से खींचकर मारपीट कर घायल करने का मामला प्रकाश में आया है। जिसमें पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर अपने बेटे और परिवार को जान माल का खतरा बताते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई है। बता दें कि पीड़िता समीना पत्नी मूर्तजा ने थाने में तहरीर देकर उल्लेख किया है कि उसका बेटा अनीश 8 अगस्त की रात्रि में समय लगभग 8:00 बजे परचून की दुकान से सामान लेकर आया था। तभी फैयाज पुत्र इस्लामुद्दीन अनस, मुजाहिद,पुत्र, फैयाज ने घर पर आकर गाली गलौज करते हुए उसके बेटे को घर से बाहर खींच कर बुरी तरह से मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता के द्वारा शोर मचाने पर दबंग मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। साथ ही पीड़िता ने बताया कि इन दबंगों ने दबंगई दिखाते हुए दिन में भी गाव के सोनू के साथ मारपीट की थी।और उसे भी बुरी तरह से घायल कर दिया था। जिसको लेकर डरी सहमी पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

महादेव सरस्वती विद्या मंदिर में अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वाधान में विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता हुई आयोजित

संस्कार उजाला

जिला प्रभारी अमित शर्मा

हापुड़/के महादेव सरस्वती विद्या मंदिर मैं विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वाधान में किया गया। आयोजन में करीब 60 बच्चों ने भाग लिया जिसमें ग्राम सादुल्लापुर लोदी के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के 9 बच्चों ने भाग लिया

(1) बहन चारू शर्मा ने 200 मीटर दौड़ तथा 600 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

(2) रोबिन कुमार ने 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान तथा 100 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

(3) कार्तिक जाटव ने 100 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया और ऊंची कूद में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

(4) कृष्ण कुमार ने 200 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

(5) विशाल जाटव ने लंबी कूद में तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्कूली छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन को देखते हुए विद्यालय के सभी बच्चों और स्कूली स्टाफ गणो में खुशी की लहर दौड़ गई। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की कोष अध्यक्ष सुश्री आनंदवती ने छात्र-छात्राओं को मेडल पहनकर सम्मानित किया। तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय कुमार शर्मा ने विद्यालय का गौरव बढ़ाने के लिए कोच को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

श्री राम कथा सेवा समिति का हुआ गठन ।

संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविंद गुप्ता।

सोनभद्र । दिनांक 08/09/2024 को गीता मंदिर ओबरा के प्रांगण में एक बैठक आहूत की गई यह बैठक आगामी 3 अक्टूबर से प्रारंभ श्री राम कथा जो की पूज्य श्री राजन जी महाराज के श्री मुख से आरती चित्र मंदिर मैदान ओबरा में होना सुनिश्चित है। सकुशल कार्यक्रम को सफलता पूर्वक आयोजन कराने हेतु श्री राम कथा सेवा समिति का गठन किया गया। उक्त समिति में संयोजक/कोषाध्यक्ष .देवेन्द्र केशरी सह संयोजक . संजीत कुमार चौबे,तारकेश्वर केशरी,जय प्रकाश केशरी, कृष्णा केशरी, विनोदकेशरी, कमलेश्वरकेशरीअध्यक्ष . दीन दयाल केशरी कार्यवाहक अध्यक्ष. विरेन्द्र श्रीवस्ताव,रमेश सिंह यादव,उपाध्यक्ष. पुष्पराज पांडे,संजय बैसवार,जितेंद्र केसरी,कपूर चंद्र पांडे,धुरंधर शर्मा शशिकांत, श्रीवास्तव, महामंत्री. राजीव वैश्य सचिव .अरविंद सोनी, विकास सिंह, समीर माली अभिषेक सेठ, सुनील सिंह, मीडिया प्रभारी. जयशंकर भारद्वाज, विवेक मालवीय, श्याम पाठक, स्वागताध्यक्ष, नीता चौबे, निर्मला भटनागर, संगीता सिंह, उषा शर्मा, सविता सिंह, सृष्टि सिंह, प्रियंका सिंह, स्वागताध्यक्ष प्रमुख, विनोद केशरी, व्यवस्था प्रमुख, अजय तिवारी, अशोक सिंह शुभम पटेल साथ ही उपस्थित सभी श्री राम कथा प्रेमियों को उनकी जिम्मेदारियों का भी बोध कराया गया।

खाटू श्याम बाबा जी के जन्मदिन की तैयारी को लेकर भक्तों की बैठक हुई संपन्न।

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

रामगढ सोनभद्र। खाटू श्याम बाबा जी के बर्थडे की तैयारी को लेकर रामगढ़ में एक बैठक की गई जिसमें खाटू श्याम बाबा जी के जन्मदिन को भव्य तरीके से मनाने को लेकर वैठक किया गया सभी भक्तों ने बढ़-कर मीटिंग में भाग लिए 12 नवंबर को खाटू श्याम महाराज जी का बर्थडे मनाया जाएगा इसी के सिलसिले को लेकर रामगढ़ रूपरेखा तैयार किया गया भक्तो की एक कमेटी बनाकर बाबा का बहुत ही धूमधाम से जन्मदिन मनाया जाएगा जन्मदिन के अवसर पर खाटू श्याम महाराज जी का रामगढ़ मार्केट कस्बा में झांकी निकाला जाएगा सुबल 9 बजे से कस्बा मे निकाला जाएगा जन्मदिन मनाने के बाद शाम 8:00 बजे से लखनऊ व वाराणसी के कलाकारों द्वारा भव्य किर्तन का कार्यक्रम किया जाएगा व सांय 4 बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा सभी कमेटी के लोगों द्वारा बहुत ही धूमधाम से बाबा का जन्मदिन मनाने के लिए उत्साहित दिखे संरक्षक रोहित अग्रवाल के देखरेख में यह कार्यक्रम किया जा रहा है अध्यक्ष दुर्गेश श्याम जी, महामंत्री विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार जायसवाल, कोषाध्यक्ष सत्यम केसरी, कोषाध्यक्ष अभय राज गुप्ता, महामंत्री अवनीश कुमार पांडेय, संगठन मंत्री अंकित सिंह राठौर, सूचना मंत्री ऋषि केसरी, कार्यकर्ता पंकज जयसवाल, मनीष केसरी, अश्विनी सोनी पंकज, आदित्य राज सोनी, सौरव केसरी, अंकित केसरी, आकाश शाह, मोनु मोदनवाल, विरध्वज, बल्लू केसरी, इंद्रेश गुप्ता, आर्यन गुप्ता, जय केसरी, किशन केसरी, मोनु गौड आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कुठौन्द विकास खण्ड के अन्तर्गत ग्राम टिकरी मुस्तिकल में खुली बैठक की मुनादी न कराकर सचिव व ग्राम प्रधान द्वारा खुली बैठक कराई गई एक कोठरी में, करीब आधा दर्जन सदस्यों द्वारा बैठक का किया गया बहिष्कार

संस्कार उजाला

उरई(जालौन)। सीडीओ के निदेर्शानुसार जनपद के कुठौन्द विकास खण्ड के अन्तर्गत ग्राम टिकरी मुस्तिकल में आज खुली बैठक में ग्राम सभा के आधा दर्जन से अधिक सदस्यों व एक बीडीसी सदस्य द्वारा खुली बैठक का विरोध किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान द्वारा शासन की सभी जनहितकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने कार्य नहीं किया जा रहा है। उपरोक्त संबंध में विरोध कर रहे सभी सदस्यों द्वारा बताया गया कि ग्राम प्रधान द्वारा एक पत्रकार वार्ता में बताया गया है कि उपरोक्त ग्राम प्रधान द्वारा चुनाव जीतने के बाद उसी के बाद हम लोगों को भी शपथ दिलाई गई थी तब से करीब साढ़े तीन साल हो चुके हैं। प्रधान द्वारा हम लोगों को न ही किसी भी बैठक में बुलाया गया है और न ही ग्राम के विकास संबंधी कार्यों हेतु होने वाले प्रस्तावों पर कभी भी चर्चा की गई।न ही कोई मेरे द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि ग्राम प्रधान व सचिव द्वारा आपसी सहमति बना कर ग्राम विकास योजना में आते धन का बंदरबांट कर लिया गया है।पूरे एक या दो गलियों में कार्य कराये गये हैं शेष पूरे गांव में आवागमन वाली गलियों में दल-दल भरा हुआ है। गांव में सफाई कर्मचारियों द्वारा नालियों की भी कभी सफाई होती है। उसी गांव निवासी अशोक सिंह ठाकुर ने आज खुली बैठक में सचिव व ग्राम प्रधान से कहा गया कि मेरे मकान के पास एक सरकारी हैंडपंप लगा था जो पूर्व प्रधान द्वारा लगवाया गया था। कुछ दिनों से वह खराब हो गया था।जिसे ठीक कराने हेतु प्रधान से कहा तो उपरोक्त प्रधान द्वारा कहा गया कि आपका हैण्डपंप का रीबोर होना है। इसके बाद ग्राम प्रधान मेरे पास का हैण्ड पम्प उखड़वा ले गए। उनके द्वारा अभी तक न ही कोई भी हैण्ड पम्प लगवाया गया है। हमारे मुहल्ले के लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। इसपर सचिव व ग्राम प्रधान ने कोई जवाब नहीं दिया। वहीं एक अल्प संख्यक महिला द्वारा भी बताया गया कि उनके दरबाजे पर लगा हैण्ड पम्प काफी समय से खराब चल रहा। जब प्रधान से ठीक कराने हेतु कहा गया तो प्रधान जी ने कहा कि मैं उसे ठीक नहीं करवा पाऊंगा। जिससे वह गरीब महिला का परिवार बूंदबूंद पानी के लिए तरस रहा है। आज खुली बैठक के संबंध में ग्राम वासियों द्वारा आरोप लगाया गया है कि ग्राम प्रधान व सचिव की मिली भगत से गांव में खुली बैठक स्कूल के कैम्पस में बने एक कमरे में अन्दर कराई गई। जबकि खुली बैठक खुले मैदान में होनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। क्योंकि उस कमरे के अंदर प्रधान ने अपने पक्ष के लोगों को पहले से ही बुला कर बिठा लिया गया था।इसी का गांव के लोगों ने विरोध करते हुए कहा गया कि ग्राम प्रधान द्वारा न ही कोई मुनादी कराई गई और न ही सभी गांव वालों को कोई सूचना दी गई। जबकि इस संबंध ग्राम प्रधान से एक पत्रकार द्वारा पूंछा गया तो प्रधान जी कहने लगे कि मैंने अपने गांव के सदस्यों के घर जा-जाकर बैठक की सूचना दी थी। फिर भी कुछ सदस्यों को छोड़ कर आधा दर्जन से अधिक सदस्यों द्वारा बैठक में भाग नहीं लिया गया। पूर गांव में करीब 13 सदस्य चुने गए थे।क्योंकि वह प्रधान जी की क्रिया कलापों से नाराज चल रहे हैं। ग्रामीणों द्वारा यहां तक कहा गया कि ग्राम प्रधान की पूर्व की हैंसियत और आज की हैंसियत की जांच करा ली जाए।तो शासन व प्रशासन को समझ में आ जायेगा कि वर्तमान में ग्राम का विकास हुआ है या ग्राम प्रधान का विकास हुआ है। ग्राम पंचायत के शुलभ शौचालयों में भी अन्दर गंदगी व्याप्त है। उसकी भी सफाई नहीं करवाई जाती है।पूरे गांव में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चौपट है।

रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा, दुष्कर्म कारित करने व अश्लील वीडियों बनाकर वायरल करने की धमकी देने वाला वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार।

संस्कार उजाला

क्राइम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

सोनभद्र पीड़िता द्वारा प्रार्थना पत्र दी गयी कि बृजेश सोनी पुत्र विरेन्द्र सोनी निवासी नई बस्ती वार्ड नं0-06, थाना रॉबर्ट्सगंज द्वारा शादी का झांसा देकर दुष्कर्म कारित करने व चोरी से अश्लील वीडियों बनाकर वायरल करने की धमकी देने के सम्बन्ध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0 590/2024 धारा 376, 506 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया। डॉ0 यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में महिला उत्पीड़न सम्बन्धी अपराध/अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु थाना रॉबर्ट्सगंज पर पंजीकृत अभियोग में संलिप्त अभियुक्त की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा था कि थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि कलेक्ट्रेट परिसर लोढ़ी में नामजद अभियुक्त बृजेश सोनी पुत्र विरेन्द्र सोनी निवासी नई बस्ती वार्ड नं0-06, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 24 वर्ष अपने उपर पेट्रोल छिड़क कर आग लगाने का प्रयास किया जा रहा था कि थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस की टीम मौके पर पहुचकर अभियुक्त उपरोक्त को गिरफ्तार कर लिया ।

गिरफ्तारी करने वाले पुलिस टीम:-

1.प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र ।

2.आरक्षी रमेश गोड़, आरक्षी विनय कुमार गुप्ता, थाना राबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र ।

तरुण महिला केसरवानी क्लब ने किया भव्य तीज महोत्सव का आयोजन।

पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने लिया तीज क्वीन प्रतियोगिता में भाग।,नृत्य गीत संगीत का हुआ आयोजन

संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविंद गुप्ता।

सोनभद्र। तरुण महिला केसरवानी क्लब के तत्वाधान में रविवार की देर शाम को नगर के चंडी तिराहा के समीप केसरी अंपायर में तीज महोत्सव का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष रूबी प्रसाद व विशिष्ट अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह ने श्री गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। और इसके बाद श्री गणेश वंदना का गायन किया गया। इस अवसर पर तीज क्वीन प्रतियोगिता, नृत्य- संगीत, लोकगीत गायन सहित विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें कि पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही तरुण महिला केसरवानी क्लब की जिला अध्यक्ष श्वेता केसरी ने बताया कि तीज का त्यौहार खासतौर पर महिलाओं, बहुओं, बेटियों और बहनों का त्यौहार है। जो कि हमारी सांस्कृतिक, धार्मिक परंपरा को दर्शाता है। जिसे बड़े ही आस्था- भाव के साथ मनाया जाता है। वहीं कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण तीज क्वीन और नृत्य प्रतिस्पर्धा और लजीज व्यंजन रहा। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से तरुण महिला केसरवानी क्लब की अध्यक्ष श्वेता केशरी, महासचिव शालू केसरी, उपाध्यक्ष शालनी केसरी, कोषाध्यक्ष बिना केसरी, संगठन मंत्री प्रीति केसरी, कोषाध्यक्ष बीना केसरी, पूजा केसरी, कल्पना, किरन, मंजू, शिल्पी, रेखा, सौम्या केसरी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रही।

मण्डल में नव चयनित 153 लेखपालों का प्रशिक्षण शुरू

✳मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी ने कराया कर्तव्यबोध

✳अनुशासन एवं मेहनत से प्राप्त करें प्रशिक्षण - मण्डलायुक्त

✳सभी प्रशिक्षु लेखपाल नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत की मूल भावना का भी रखें ध्यान - डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद

✳दायित्वों को भली प्रकार से समझने के लिए संवेदनशीलता के साथ करें प्रशिक्षण - जिलाधिकारी

✳आमजन की समस्याओं को सकारात्मक ढंग से हल करने का करें प्रयास - मनीष बंसल

संस्कार उजाला ब्यूरो

सहारनपुर मंडलायुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता एवं जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल की उपस्थिति में मण्डलीय राजस्व लेखपाल प्रशिक्षण सत्र 2024-2025 का शुभारम्भ बीडी बाजोरिया इण्टर कॉलजे में किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में मंडल के 153 लेखपालों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कुल 153 प्रशिक्षुओं में 91 सहारनपुर, 40 मुजफ्फरनगर एवं 22 शामली के है। मंडलायुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने सभी नव नियुक्त लेखपालों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी राजस्व परिवार का हिस्सा बनने जा रहे है। अनुशासन एवं मेहनत से प्रशिक्षण प्राप्त करें और अनावश्यक रूप से छुट्टियां न करते हुए समय से प्रशिक्षण पूरा करें। अच्छी प्रकार से प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को भविष्य में इसके बहुत ही सुखद परिणाम मिलेंगे। प्रशिक्षण के दौरान मन में उठने वाले प्रश्नों को अवश्य पूछें। उन्होने कहा कि प्रशासनिक कार्यों के निर्वहन में लेखपाल की अहम भूमिका होती है। राजस्व विभाग सरकार की रीढ़ होता है। प्रशिक्षण के बाद जब फील्ड में उतरें तो पारदर्शिता के साथ कार्य करें। उन्होने कहा कि राजस्व नियमों के साथ ही समय-समय पर शासन की नीतियों को भी समझते हुए कार्य करना है। तथ्यों एवं नियमों के आधार पर बिना किसी दबाव के कार्य करें। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के सामने सही तथ्य पेश करें। आम जनमानस से सम्पर्क रखते हुए उन्हें सरकार की योजनाओं से जोडा जाए। नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत को जीवन में लागू करते हुए कार्य करें। जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल ने बधाई देते हुए कहा कि आप सभी की मेहनत का परिणाम है कि आपकी तैनाती लेखपाल जैसे महत्वपूर्ण पद पर हुई है। उन्होने कहा कि अपने प्रशिक्षण को तनावमुक्त रहते हुए पूर्ण लगन एवं निष्ठा

से पूरा करें। जिस प्रकार आपका पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं बिना किसी भेदभाव के चयन हुआ है तो उसी प्रकार आपकी भी जिम्मेदारी बनती है कि इसी प्रकार से फील्ड में कार्य करें। समस्याओं को टालने की प्रवृत्ति को न अपनाते हुए उनके समाधान की ओर अग्रसर होने की आदत अपनाएं। अपने प्रशिक्षण में नियमितता एवं उपस्थिति जरूर सुनिश्चित कराएं। नियमों एवं अधिनियमों को गंभीरता से पढें। अपने दायित्वों को भली प्रकार से समझने के लिए प्रशिक्षण को संवेदनशीलता के साथ पूरा करें। उन्होने कहा कि बेहतर कार्यों के लिए कम्यूनिकेशन स्किल भी आवश्यक है। उत्सुकता एवं लगन के साथ तकनीकी का भी ज्ञान प्राप्त करें। आपके फील्ड वर्क के दौरान अधिकतर गरीब एवं किसानों से सम्पर्क होगा, उनके प्रति संवेदनशीलता अपनाते हुए उनकी समस्याओं का समाधान करते हुए उनको संतुष्ट करेंअपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी ने कहा कि लेखपाल राजस्व प्रशासन की प्रथम कडी है। सभी अपने आचरण, व्यवहार एवं उत्तरदायित्वों को प्रशिक्षण के दौरान समझ पाएंगे। अपर जिलाधिकारी प्रशासन मुजफ्फरनगर नरेन्द्र बहादुर ने प्रशिक्षु लेखपालों को प्रशासन की बारीकियों के बारे में जानकारी दी। अपर जिलाधिकारी न्यायिक श्री रमेश यादव ने प्रशिक्षण के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम सप्ताह में सभी प्रशिक्षु लेखपालों को लेखपाल पद के कर्तव्यों एवं दायित्वों के संबंध में संक्षिप्त प्रशिक्षण दिया जाएगा। द्वितीय सप्ताह में माननीय परिषद द्वारा दिये गये निदेशों के अनुसार 06 माह का क्लासरूम प्रशिक्षण एवं उसके पश्चात 06 माह का क्षेत्रीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। मण्डल में प्रशिक्षार्थियों की संख्या 153 होने के कारण प्रथम 06 माह में 77लेखपालों को 06 माह का क्लासरूम प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा शेष 76 लेखपालों को तहसीलों में लेखपालों के साथ सम्बद्ध रखते हुए प्रशिक्षण दिया जायेगा। अग्रिम 06 माह दूसरे सत्र में इसी प्रकार फील्ड प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लेखपालों को क्लासरूम प्रशिक्षण तथा क्लासरूम प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लेखपालों को फील्ड प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ विभागों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अतर्गत चकबन्दी विभाग द्वारा सर्वेक्षण एवं भूचित्र कार्य, शिक्षा विभाग द्वारा क्षेत्रमिति व अंकगणित, राजस्व विभाग द्वारा नियम एवं कर्तव्य तथा कागजात तैयारी, राजस्व विभाग, पंचायत राज विभाग एवं चकबन्दी विभाग द्वारा अधिनियम एवं प्रक्रिया, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं विकास विभाग द्वारा नियोजन एवं विकास, प्रधानाचार्य एवं स्कूल प्रबन्धन द्वारा सदाचार एवं अनुशासन, एनआईसी, ईडीएम, राजस्व विभाग, आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक से नामित अध्यापक द्वारा कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर युवराज सिंह सहित राजस्व परिवार के सदस्य एवं प्रशिक्षु लेखपाल उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

नगर में छडी बसेरा का हुआ आयोजन बड़ी संख्या श्रद्धालु हुए शामिल

संस्कार उजाला

अंबेहटा सहारनपुर

नगर के मोहल्ला सराय में रविवार की रात गागो जाहारवीर के भगत प्रिरथी कश्यप एवं आशु कश्यप के आवास पर छड़ी बसेरा का आयोजन किया गया जिसमें नगर से बडी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और छड़ी की पूजा अर्चना करने के बाद कढ़ी चावल हलवे का प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान महाकाल ग्रुप के सदस्य नगर पंचायत सभासद पति धमैंद्र कोरी, विकास जांगिड, सोनू कोरी, प्रदीप पांचाल,रमेश जांगिड, अंकित कोरी,आशु धीमान,प्रदुमन,दीपक सैन, विशाल पांचाल, सन्नी, पंकज कुमार, राधेश्याम, श्री रामलीला समिति एवं महादेव संकीर्तन मंडल के राजू रुहेला,नरेश गोयल,आनंद रघुवंशी, सोनू गुप्ता,राजू चौधरी, महावीर कश्यप, मुकेश कश्यप,सुरेन्द्र धीमान, आदि शामिल रहे।

अंशुल म्यूचुअलहेल्प फाउंडेशन की टीम पहुचीं पीड़ित परिवार के घर आर्थिक मदद के लिए रात्रि 11 बजे

सस्कार उजाला

भवानी सैनी सहारनपुर/ बेहट देर रात सूचना मिलते ही सबसे पहले अंशुल म्यूचुअलहेल्प फाउंडेशन की टीम डायरेक्टर & फाउंडर धर्मदास के नैत्तव मे बेहट विधानसभा के आलमपुर मादपुर गाँव मे पीड़ित परिवार सजय कुमार की पत्नी सरिता जो काफी समय से बीमार है जिन्दगी और मौत के बीच लड रही है गरीब परिवार की मदद को पहुच कर तुरंत इलाज के लिए मदद की इस दौरान सजय कुमार ने बताया मेरी पत्नी काफी समय से भयंकर बीमारी से पीड़ित है जिसका इलाज मैंने हर जगह करा लिया है मेरे पास उनके ओपरेशन के लिए पैसे नही है मेरी आर्थिक स्थिति भी बहुत खराब है अतः जो भी भाई मेरे परिवार की मदद कर सकता है वो करे, इसी बीच मेरे दुख दर्द को बाटने के लिए मेरी मदद को अंशुल म्युचल फाउंडेशन की टीम आयी है मै उन्हे धन्यवाद देता हूँ इस दौरान अंशुल म्युचुअल हेल्प फाउंडेशन के डायरेक्टर धर्मदास ने बताया कि हमारी सस्था गरीब परिवारों के लिए 24 घंटे मदद के लिए हर समय तैयार रहती है क्षेत्र के गरीब परिवारों के लिए मदद को प्रयासरत है उन्होंने कहा कि किसी इन्सान को बिना बताए उसकी सहायता करना और उस मदद से मिलने वाली खुशी को उसकी आंखों में महसूस करना ही सच्ची जनसेवा है इस दौरान टीम में मौजूद प्रीतम सिंह विजय कुमार अमन, मिंटू कुमार, नवीन कुमार, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे

ग्राम प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष बने रामखेड़ी के प्रधान भानु प्रताप उर्फ टीपू

सस्कार उजाला

सहारनपुर मुजफ्फराबाद ग्राम प्रधान संगठन के चुनाव में सर्वसम्मती से ब्लॉक अध्यक्ष का चुनाव हुआ। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि योगेश पुंडीर के संरक्षण में मुजफ्फरबाद स्थित ब्लॉक सभागार में हुए चुनाव में भटपुरा ग्राम प्रधान इजहार अहमद ने ब्लॉक अध्यक्ष के लिए रामखेड़ी के प्रधान भानु प्रताप उर्फ टिपू के नाम का प्रस्ताव रखा। उनके प्रस्ताव पर सभी उपस्थित ग्राम प्रधानों ने सहमति जताई। जिस पर उन्हें सर्वसम्मती से ब्लॉक अध्यक्ष चुन लिया गया जो एक क्रमठ इमानदार जुझारू एंव ग्राम प्रधानों के साथ प्रधानो की हर समस्याओं को ब्लॉक स्तर से लेकर जिला स्तर तक लडने को तैयार है उनके चयन होने पर उन्हें सभी ग्राम प्रधानों ने बधाई दी। इस दौरान इजहार अहमद ग्राम भटपुरा शौयब प्रधान ग्राम कमालपुर मोहर सिंह, गजे सिंह, अनिल, अजय भानुप्रताप अंकित बेहड़ा, नीरज, सुशील उपाध्याय आदि ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

उत्तर प्रदेश प्रयोगशाला प्राविधिक संघ शाखा शाहजहांपुर के अधिवेशन में रजनीश बने जिला अध्यक्ष

संस्कार उजाला

जनपद शाहजहांपुर

शाहजहांपुर जिला अध्यक्ष एवं संजय कुमार कनौजिया जी जिला मंत्री एवं मयंक गंगवार वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुने गए हैं शाहजहांपुर में 2 वर्ष वाला अधिवेशन संपन्न कराया गया है यह संपूर्ण अधिवेशन रामनरेश पटेल प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष के देखरेख में संपन्न कराया गया है इस अधिवेशन में प्रयोगशाला प्राविधिक संघ के कर्मचारियों ने रजनीश कुमार सिंह को जिला अध्यक्ष एवं संजय कुमार कनौजिया जी को निर्विरोध जिला मंत्री एवं मयंक गंगवार निर्विरोध वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुसाहिब अली निर्विरोध कोषाध्यक्ष एवं रवि कुमार निर्विरोध संप्रेक्षक चुने गए हैं इस पूरे अधिवेशन में जिला शाहजहांपुर के अन्य विभाग के सभी महत्वपूर्ण पदों के पदाधिकारी ने इस अधिवेशन में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रस्तुत करते हुए अधिवेशन को संपन्न करवाया इस 2 वर्ष का अधिवेशन में जयपाल कनौजिया वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन ,रामू नायक वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन ,सरोज कुमार वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन ,महेंद्र कुमार त्रिपाठी वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन, राजेश वर्मा वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन, शैलेंद्र कुमार वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन, पंकज कुमार वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन मोहम्मद कलीम वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन एवं नवल किशोर लैब टेक्नीशियन ,शोभित वर्मा लैब टेक्नीशियन ,सोनी पटेल लैब टेक्नीशियन ,मनोज कुमार लैब टेक्नीशियन अनिल कुमार लैब टेक्नीशियन इत्यादि इन सभी ने इस अधिवेशन में अति महत्वपूर्ण योगदान किया अन्य पदाधिकारी अनूप मिश्रा जिला अध्यक्ष एक्स-रे टेक्निशियन शाहजहांपुर, सुभाष कनौजिया जिला मंत्री उत्तर प्रदेश डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन शाहजहांपुर एवं आशीष भदोरिया वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन इत्यादि ने अधिवेशन में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हुए अधिवेशन को संपन्न करवाया यह ज्ञात रहे की नवनिर्वाचित सभी पदाधिकारी पूर्व में भी जिले के अन्य पदों पर बेहतरीन कार्य करते हुए अपनी सेवा प्रदान कर चुके हैं

भारतीय यूनियन रक्षक ने की नागल में फ्लाई ओवर के निर्माण की मांग

जिलाधिकारी को सौपा ज्ञापन ,जिलाधिकारी ने दिया शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन

संस्कार उजाला

संजीव सहारनपुर

भारतीय किसान यूनियन रक्षक के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी वीरेंद्र सिंह ओहलान के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र चौधरी के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन रक्षक के कार्यकताओं ने जिलाधिकारी को नागल में फ्लाई ओवर निर्माण के लिए ज्ञापन सौंपा।प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र चौधरी ने कहा कि नागल बस स्टैंड पर फ्लाई ओवर ना होने के कारण दर्जनों से भी ज्यादा दुर्घटना हो चुकी है,जिसमे दर्जनों व्यक्ति काल के ग्रास बन चुके हैं या घायल हो चुके हैं।इसके अलावा हजारों

की संख्या में छात्र-छात्राएं सड़क पार करती हैं। उनके लिए खतरे की संभावना बनी रहती रहती है। जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल को भाकियू रक्षक के प्रतिनिधि मंडल ने नागल में फ्लाई ओवर के निर्माण के लिए एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि ज्ञापन अग्रिम कार्यवाही के लिए लखनऊ भेजा जा रहा है।इस दौरान मंडल उपधक्ष,गजेंद्र चौधरी जिला प्रभारी रविंद्र सैनी,जिला महासचिव मोहित गोयल, तहसील देवबंद अध्यक्ष फय्याज मलिक,ब्लॉक नागल अध्यक्ष राहुल चौधरी, तहसील सदर अध्यक्ष अमित ओहलान, हैप्पी चौधरी,बिल्लू त्यागी,अजीत सैनी, सूबे सिंह मलिक, शिशपाल सैनी,सुनील शास्त्री, रोहित जाट, शमशाद मालिक,शिवम चौधरी, अमित गर्ग,अनमोल अरोड़ा,निखिल त्यागी, राम कुमार,सतीश चौधरी,राजपाल,भगत जी,मुकेश सैनी के अलावा दर्जनों किसान मजदूर और व्यापारी शामिल रहे है।

ग्राम समाज की भूमि से पेड़ काटने के मामले में जांच करने पहुंचे डीपीआरओ अधिकारी

एक ही बिंदु पर जांच करने के लिए आया हूं अन्य पर नहीं आलोक शर्मा

लेखपाल ने बताया की है ग्राम समाज की जमीन है जिस पर अवैध कबजा कर मदरसा बना रखा है

संस्कार उजाला

जानकारी के अनुसार पिछले कुछ दिनों से ग्राम समाज की भूमि से ग्राम प्रधान ने 250 पेड़ यूकेलिप्टस के काट लिए थे जो मूल्यांकन के आधार पर कीमत कम अंकित किए गए हैं विपक्षियों का कहना है की पेड़ ज्यादा कीमत में बेचे गए हैं और हमारे पास इसका प्रूफ है जांच करने गए अधिकारी ने कहा कि मैं सिर्फ पेड़ काटने के बिंदु पर ही जांच करूंगा बाकी पर नहीं' हालांकि उन्होंने बाद में ग्रामीणों से पूछा कि कोई समस्या तो नहीं है तो ग्रामीणों ने कहा कि गांव में हो रहे विकास कार्यों में धांधली की जा रही है और घटिया सामग्री लगाई गई है इतना ही नहीं 130 फीट गहराई पर हेड पंप लगाकर 200 से 250 फीट गहराई का पैसा डकारा जा रहा है जांच करने आए अधिकारी आलोक कुमार शर्मा ने

दोनों पक्षों की बात सुनी और जांच कर वापस चले गए इस दौरान उन्होंने खसरा नंबर 157 , 158, तथा 153 को ग्राम समाज की भूमि पर जांच की है और कहा कि यह समझ से परे है कि यह वक्फ बोर्ड की भूमि कैसे हो गई है इसकी जानकारी पहले राजस्व विभाग को हो जानी चाहिए थी जो अभी तक नहीं हो पाई है जबकि हल्का लेखपाल मनोज गुप्ता ने उनको बताया कि खसरा नंबर 153 पर मदरसा बना हुआ है खसरा नंबर 157 तथा 158 पर कब्रिस्तान है इन नंबरों पर ही 250 पेड़ काटे गए हैं जबकि ग्राम प्रधान राशिद अली ने कहा कि पेड़ 140 काटे गए हैं और बाकी पुराने पेड़ों का मूल्यांकन किया गया है जांच अधिकारी ने जांच में पाया कि 4,60 लाख कीमत मूल्यांकन में दर्शाई गई है और इस कीमत को पंचायत के खाते में 4,34 लाख रुपए ही जमा किए गए हैं जब उधर इस संबंध में हल्का लेखपाल से बात की गई तो उन्होंने बताया की तीनों नंबर ग्राम समाज के हैं ओर ग्राम समाज की जमीन पर मदरसा नहीं बन सकता है जो अवैध बनाया गया है इस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी जबकि ग्राम प्रधान पक्ष इन खसरा नंबरों की भूमि पर सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की भूमि को बता रहे हैं और कागजों में भी दर्शाए गए हुए हैं सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की संपत्ति में खसरा नंबर 153 नहीं दर्शाया गया है वह ग्राम समाज का ही है जिस पर मदरसा बनाया गया है जांच के दौरान खास बात यह रही कि जब ग्रामीणों ने अन्य बिंदुओं पर जानकारी चाहि तो जांच अधिकारी ने कहा कि मैं सिर्फ एक बिंदु पर जांच करने के लिए आया हूं वह बिंदु है पेड़ काटने का मामला और अन्य पर बिंदु पर जांच करने नहीं आया हूं एक ही बिंदु पर जांच करुंगा इस दौरान मुख्य रूप से विकासखंड मुजफ्फराबाद के एडियो पंचायत प्रवीण कुमार शर्मा , ग्राम विकास अधिकारी प्रदीप कुमार, हल्का लेखपाल मनोज गुप्ता तथा जांच अधिकारी डीपीआरओ आलोक शर्मा और गांव के दोनों पक्ष मौजूद रहे

थाना तीतरों एवम थाना जनकपुरी क्षेत्र में अपराधियों पर धुंआधार कार्रवाई करने वाले इंस्पेक्टर थाना गागलहेडी प्रमोद कुमार सिंह की जिलाबदर एवम टॉप-10 अपराधी तसव्वर पर बड़ी कार्रवाई

अपराध की दुनिया का बादशाह,गैंगलीडर टॉप-10,गौकश एवम जिलाबदर अपराधी पर थाना गागलहेडी प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह ने की जबरदस्त कार्रवाई

➥गिरफ्तार 7 वारंटियों में से एक निकला अपराध की दुनिया का बादशाह,जो जिलाबदर होने के बाद भी अपने गांव मे था मोजूद

➥आईपीसी की धारा 147/148/224/225/332/353/504/-3/5/8 सीएस एक्ट/2/3 गैंगेस्टर एक्ट/टॉप-10 एवम यूपी गुंडा एक्ट जैसे गम्भीर मामलों में जेल जा चुका है, अभियुक्त तसव्वर

संस्कार उजाला

सहारनपुर थाना तीतरों एवम थाना जनकपुरी में अपनी तेज तर्रार कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मचाने वाले इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने अब थाना गागलहेडी की कमान सम्हालते ही,लम्बित पड़े मामलों की फाईलों को खंगाल वारंटी/वांछितो पर अपना जोरदार चाबुक चला उन्हें जेल भेजना शुरू कर दिया है।कल भी उन्होंने 7 वारंटियों को जेल भेजने का काम किया,जिनमें एक जिलाबदर टॉप-10 अपराधी निकला।आपको बता दें,कि थाना गागलहेडी का चार्ज सम्हालते ही इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह के दिशा निर्देश पर उनकी पुलिस टीमों ने कल विभिन्न स्थानों पर दबिशे देकर 7 वारंटियों की गिरफ्तारी कर जेल भेजा था।जब इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने सभी अपराधियों का अपराधिक इतिहास खंगाला,तो इनमें से एक अपराधी अपराध की दुनिया का बादशाह निकला,जो अभी हाल ही में अपर जिला मेजिस्ट्रेट द्वारा 6 माह के लिए जिलाबदर किया गया था और बावजूद इसके वह अपने गांव चांदपुर में ही रह रहा था।बता दें,कि कल इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह के दिशा निर्देश पर उनकी पुलिस टीमों ने माननीय न्यायालय मे गेर हाजिर चल रहे 7 वारंटियों आशीष गुलबहार तसव्वर, इमरान,ताजिम,समीर एवम सचिन को गिरफतार किया था।जब इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने इन सभी के अपराधिक बायोडाटा खंगाला,तो इनमें से तसव्वर पुत्र नवाब निवासी चांदपुर का अपराधिक इतिहास देख एक बार तो इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह भी हेरत में पड़ गए,कि अपराध की दुनिया का बादशाह तसव्वर जिलाबदर होने के बावजूद भी चांदपुर मे क्या कर रहा है,जो गौकशी के साथ साथ टॉप-10 अपराधी व गैंगलीडर भी है तथा अनगिनत गम्भीर अपराध भी कर चुका है।इसके अपराधिक बायोडाटा के अनुसार अपने समय में इस बदमाश ने वो अपराध किए यदी आप भी सुनेंगे,तो दांतो तले उंगलियां दबा लेंगे।जिसकी गिरफ्तारी से क्षेत्रीय जनता ने भी राहत की सांस ली।

डीएम ने की मेला गुघाल की तैयारियों की समीक्षा

साफ-सफाई के साथ ही सुरक्षा के होंगे पुख्ता इंतेजाम

➥कैमरों की निगरानी में होगा मेला, बनेगा कन्ट्रोल रूम

➥पीडब्ल्यूडी, विद्युत और फायर सेफ्टी संबंधी अधिकारी प्रोएक्टिव होकर कराएं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित

संस्कार उजाला ब्यूरो

सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट श्री मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में 13 सितम्बर से 05 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले मेला गुघाल की तैयारियों तथा शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु समीक्षा बैठक आहूत की गयी। बैठक में डीएम ने मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरे, बिजली, पेयजल, मजबूत बैरिकेटिंग, साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि संस्कृति एवं राष्ट्रीयता को बढाने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

मनीष बंसल ने कहा कि सभी विभाग सौंपी गयी जिम्मेदारियों का भली प्रकार से निर्वहन करना सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य व्यवस्था हेतु एंबुलेंस एवं चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। मौसम के अनुसार नाले एवं नालियों की साफ-सफाई के साथ ही फॉगिंग एवं एंटी लार्वा का छिड़काव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पार्किंग की उचित व्यवस्था की जाए। सुविधाओं एवं समस्याओं के निस्तारण के लिए कन्ट्रोल रूम की स्थापना की जाए। मेले में सुरक्षा के दृष्टिगत पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए। खाद्य पदार्थों की जांच की जाए एवं प्रसाद के विक्रेताओं को सवास्थ्य के दृष्टिगत प्रसाद को ढककर रखने के निर्देश दिए। यातायात व्यवस्था बेहतर रखी जाए। बिजली के तार लटके न हों। पीडब्ल्यूडी द्वारा झूलों का तकनीकी परीक्षण करना सुनिश्चित किया जाए तथा कोई भी स्ट्रक्चर बिना अनुमति के न लगाया जाए। अग्निशमन विभाग को सुरक्षा के तहत प्रयाप्त मात्रा में आकस्मिक स्थिति में अग्निशमन वाहनों की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक, नगर मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार, अपर नगर आयुक्त श्री राजेश यादव सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

पंडित जवाहरलाल नेहरू डिग्री कॉलेज बांदा परिसर के बाहर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर मुकेश पांडे का छात्राओं ने आक्रोश दिखाते हुए फूंका पुतला

संस्कार उजाला

उत्तर प्रदेश स्टूडेंट यूनियन के तत्वधान में छात्र नेता शैलेंद्र कुमार वर्मा एवं बाबूराम निषाद, दीपक गुप्ता के नेतृत्व में पंडित जवाहरलाल नेहरू डिग्री कॉलेज बांदा परिसर के बाहर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर मुकेश पांडे का सीट न बढ़ाई जाने के विरोध में प्रतिनात्मक पुतला विरोध जताते हुए दहन किया छात्राओं ने आक्रोश जताते हुए हुए कुलपति मुदार्बाद के नारे लगाए, जिसके तत्पश्चात महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य के कार्यालय पहुंचकर सैकड़ो की संख्या में छात्राओं ने कार्यालय घेरने एवं कार्य बंद करवा कर ताला जड़ने का काम किया वह दो दिन के अंदर दो सेक्शन सीट बढ़ाए जाने की मांग करते हुए बड़े आंदोलन की चेतावनी दी क्योंकि महाविद्यालय का मानक सीट बढौतरी के लिए पूरा है इस लिए सीट बढाई जा सकती है इस मौके पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के छात्र नेता लव सिन्हा सहयोग के लिए मौजूद रहे जिन्होंने कहा प्रवेश सेट अगर नहीं बढ़ाई गई तो झांसी में कुलपति कार्यालय का घेराव करने का काम करेंगे बुंदेलखंड अति पिछड़ा क्षेत्र है और जहां कम शिक्षण शुल्क लगता है ऐसे महाविद्यालय में से पंडित जे . एन एक मात्र अर्धसरकारी महाविद्यालय है इसलिए यहां की सीट बड़ी संख्या में बढ़ाई जानी चाहिए इस मौके पर छात्र नेता लव सिन्हा,शैलेंद्र कुमार वर्मा ,बाबूराम निषाद, दीपक योगेंद्र रचित पंडित ,जय सिंह, सिद्धांत सिंह प्रदीप वर्मा, भूपेंद्र यादव ,हरिओम सिंह, दिव्यांश शिवम ,सिंगर, खुशी रिचा, महिमा ,निकिता ,सुहाना शिवानी एवं नैंसी इत्यादि छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रहे पुतला दहन का समर्थन ,छात्र संघर्ष समिति (बांदा), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने भी किया।

अपर पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा गणेश प्रतिमा विसर्जन स्थल का किया गया स्थलीय निरीक्षण

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

आगामी गणेश प्रतिमा विसर्जन के दृष्टिगत आज दिनांक 09.09.2024 को अपर पुलिस अधीक्षक बांदा शिवराज द्वारा प्रतिमा विसर्जन स्थल केन नदी तट का स्थलीय निरीक्षण किया गया। केन नदी तट पर शहर क्षेत्र और आस पास की गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस और प्रशासन के संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया विसर्जन से संबंधित सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाए। निरीक्षण के दौरान गणेश पूजा आयोजन समिति के सदस्य, क्षेत्राधिकारी नगर राजीव प्रताप सिंह, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर पंकज कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

अतिक्रमण के विरुद्ध नगर मजिस्ट्रेट की कार्यवाही जारी

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बांदा जनपद में जिलाधिकारी के निर्देशन में दूसरे दिन भी नगर में साफ- सुथरा व भीषण जाम से निजात पाने के लिए नगर मजिस्ट्रेट संदीप केला नें अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। काफी दिनों से अवैध अतिक्रमण व जगह-जगह भीषण रोड जाम को लेकर जिलाधिकारी व नगर मजिस्ट्रेट के पास शिकायत आ रही थी। जिस पर जिलाधिकारी के निर्देशन पर नगर मजिस्ट्रेट नें दूसरे दिन भी बाबू लाल चौराहा पर अतिक्रमण अभियान चलाया गया। इस दौरान इनके साथ बाँदा विकास प्राधिकरण के ऐई आर0पी0 यादव, जेई रविंद्र गुप्ता, पुलिस की टीम टीम, नगर पालिका की टीम मौके पर मौजूद थी। नगर मजिस्ट्रेट और साथ में प्रशासनिक अधिकारी पालिका की टीम के साथ प्रतिदिन किसी न कब्जाधारियों पर कार्रवाई की जा रही है।

तमंचे के साथ सोशल मीडिया पर फोटो/वीडियो वायरल करने वाले दो को किया गया गिरफतार

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बांदा में सोशल मीडिया पर तमंचे के साथ फोटो/वीडियो वायरल करने वाले दो अभियुक्तों को थाना जसपुरा पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्तों के कब्जे से अवैध तमंचा व कारतूस बरामद कर लिए गए। पुलिस अधीक्षक बांदा अंकुर अग्रवाल के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा अवैध शस्त्रों का संग्रहण, निर्माण व बिक्री करने वाले अभियुक्तों पर की जा रही कार्यवाही के क्रम में सोमवार 09 सितंबर 2024 को थाना जसपुरा पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर तमंचे के साथ फोटो/वीडियो वायरल करने वाले दो अभियुक्तों को अवैध तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि फेसबुक पर एक वीडियो संज्ञान में आया था जिसमें दो युवक बारी बारी से अवैध तमंचा लेकर दिखा रहे थे। वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस द्वारा विस्तृत जांच की गई। जांच के क्रम में युवकों की पहचान अमन सिंह पुत्र प्रमोद सिंह व मक्खी पुत्र चन्द्रपाल निवासी जसपुरा के रुप में की गई। सोमवार को थाना जसपुरा पुलिस द्वारा दोनों अभियुक्त को अवैध तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त लोगों के पास से 01 अदद अवैध तमंचा 12 बोर, 01 अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर बरामद किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के नाम व पता अमन सिंह पुत्र प्रमोद सिंह सेंगर निवासी जसपुरा थाना जसपुरा जनपद बांदा तथा मक्खी पुत्र चन्द्रपाल निवासी जसपुरा थाना जसपुरा जनपद बांदा है।

डीएम नगेंद्र की अध्यक्षता में जिला शान्ति समिति की बैठक सम्पन्न

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बांदा जिलाधिकारी नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में मजिस्ट्रेट सभागार में आगामी ईद-ए-मिलाद/बाराबफात व गणेश महोत्सव आदि त्यौहारों को शान्तिपूर्ण एवं कुशलता पूर्वक तथा आपसी भाईचारे एवं सामाजिक सौहार्द के साथ मनाये जाने के सम्बन्ध में जिला शान्ति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि परम्परागत रूप से जो कार्यक्रम व जुलूस आदि आयोजित किये जाते रहे हैं, उसी अनुरूप शान्तिपूर्णढंग से कार्यक्रम आयोजित किये जायें। उन्होंने पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जुलूस के मार्गों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं विद्युत के तारों को ठीक करने तथा सड़क की मरम्मत कराये जाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका को साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था किये जाने तथा स्ट्रीट लाइट ठीक कराये जाने एवं आवारा पशुओं को बन्द कराने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रमुख स्थानों जुलूस शुरू होने वाले स्थान, अवस्थी भवन व समापन स्थल पर बैरीकेटिंग की व्यवस्था कराये जाने तथा पेयजल हेतु टैंकर की व्यवस्था कराये जाने कै निर्देश दिये। बैठक में बताया गया कि बाराबफात का जुलूस 16 सितम्बर, 2024 आयोजित किया जायेगा। गणेश महोत्सव को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु जानकारी दी गयी कि 17 सितम्बर को गणेश विसर्जन होगा तथा इससे पूर्व घरों में स्थापित लोंगो द्वारा विसर्जन 11 सितम्बर से प्रारम्भ हो जायेगा, जिसके लिए केन नदी पर साफ-सफाई एवं नॉव तथा अन्य व्यवस्थायें सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन के लिए तय किये गये रूट को भी देख लिया जाए तथा विसर्जन स्थानों पर लाइट एवं साफ-सफाई के साथ ही अन्य आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित कर ली जायें। उन्होंने त्यौहारों के अवसर पर पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था एवं सतर्कता बरतने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिशाषी अभियंताओं को निर्देशित किया कि त्यौहारों के अवसर पर समुचित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ जर्जर विद्युत के तारों व यदि कोई विद्युत पोल खराब हो तो उसको तत्काल ठीक कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिशाषी अभियंता जल संस्थान एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वर्षा के कारण जहां कहीं सड़क में गड्ढे हो गये हैं उनकी मरम्मत कराकर ठीक किया जाए तथा जल संस्थान द्वारा पेयजल की नियमित आपूर्ति की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए पूजा पंडालों सहित नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान चलाकर सफाई की व्यवस्था की जाए। उन्होंने निराश्रित गौवंशों को गौशालाओं में संरक्षित करने के भी निर्देश दिये, जिससे कि त्यौहारों में भीड-भाड होने पर व्यवधान उत्पन्न न हो। उन्होंने नगरपालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि आवारा जानवर सूकर आदि को बाडों में बन्द करायें। बैठक में उन्होंने शान्ति समिति के पदाधिकारियों से त्यौहारों को शान्तिपूर्णढंग से मनाये जाने हेतु उनके सुझावों को आमंत्रित करते हुए सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को उनकी समस्याओं के निस्तारण हेतु कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 राजेश कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज, नगर मजिस्ट्रेट संदीप केला, उप जिलाधिकारी सदर रजत वर्मा, क्षेत्राधिकारी पुलिस, जिला सूचना अधिकारी राम जी दुबे एवं शान्ति समिति के पदाधिकारी तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना प्रभारी/थानाध्यक्ष व चौकी प्रभारियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत बैंकों/वित्तीय संस्थानों का किया गया निरीक्षण ।

संस्कार उजाला

विशेष संवाददाता मनोज पाठक इटावा

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना प्रभारी/थानाध्यक्ष व चौकी प्रभारियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत पड़ने बाले बैंकों में पहुंचकर चेकिंग अभियान चलाया गया। चैकिंग के दौरान बैंक के बाहर एवं अंदर आने-जाने एवं अन्य आवश्यक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा एवं अन्य सुरक्षा उपायों की पूर्ति करने के लिए संबंधित को निर्देशित किया गया, साथ ही बैंक एवं आसपास किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि अथवा अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की उपस्थिति की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने को कहा गया।

रक्तदान शिविर में रक्तदाता हुए सम्मानित

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बांदा में सोमवार को सेवर्स ऑफ लाइफ के तत्वाधान में लाला जगत नारायण जी की 43वीं पुण्यतिथि के अवसर पर ब्लड बैंक जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। रक्तदाताओं ने बढ़ चढ़कर के हिस्सा लिया और रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश कर रक्तवीर बन समाज की सेवा का संकल्प लिया। उक्त शिविर में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉङ्क एसङ्कएनङ्क त्रिपाठी ने सभी रक्तदाताओं को मेडल, प्रमाण पत्र, एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और सेवर्स ऑफ लाइफ संस्था को साधुवाद दिया। कहा कि उनके अथक प्रयासों से इस प्रकार के मानवहित के कार्य निरन्तर किए जा रहे हैं। इसी प्रकार सभी लोग हितकर कार्य को करते रहें हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। उक्त शिविर में सेवर्स ऑफ लाइफ के अध्यक्ष सलमान खान, सलाहकार/ मीडिया प्रभारी सुनील सक्सेना, मुख्य सदस्य आदित्य मिश्रा, अशफाक अहमद, मिथुन पुरुस्वानी, शुभम पुरुस्वानी, जुनैद सिद्दीकी, प्रवीन सेन, डॉङ्क अंकित सिंह ब्लड बैंक प्रभारी,प्रमोद द्विवेदी पीआरओ सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है 17 9 2024 दिन मंगलवार को माधौगढ़ कोतवाली में ट्रक नंबर यू पी 70 डी टी 6424 की नीलामी होना प्रस्तावित है आप लोग 17.9.2024 दिन मंगलवार को नीलामी में भाग ले सकते हैं

संस्कार उजाला

निवेदक, पप्पू सिंह यादव प्रभारी निरीक्षक कोतवाली माधौगढ़, कानून और संविधान से चलेगी कोतवाली,मित्रवत व्यवहार की होगी प्राथमिकता माधौगढ़-काफी दिनों बाद कोतवाली में संवाद स्थापित करने वाला अधिकारी आया है,चार्ज के दूसरे दिन ही कोतवाली में प्रधानों के साथ मीटिंग कर नए कोतवाल पप्पू सिंह ने स्पष्ट कहा कि सिफारिश की वजाय सीधी बात करें। गलत बात पर सुनूंगा नहीं और न्याय देने के लिए किसी भी हद तक चला जाऊंगा। उन्होंने प्रधानों से कहा कि वह अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर कोशिश करें कि मामले गांव स्तर पर निपट जाएं,ताकि गांव के आम आदमी को कोतवाली और न्यायालय के जंजाल में न फंसना पड़े। उन्होंने प्रधानों से जागरूक नागरिक और समाजसेवी की भूमिका में आने की सलाह दी। ताकि उनकी बदौलत समाज में बदलाव आ सके। उन्होंने महिलाओं के घर छोड़कर जाने पर हैरानी जताते हुए कहा कि इसके पीछे समाज में शिक्षा और जागरूकता का अभाव होना मुख्य कारण है। जिसके लिए वह गांव-गांव और स्कूलों में जाकर महिलाओं और बेटियों को जागरूक करेंगें। उन्होंने सबके सहयोग से थाने को आदर्श थाना बनाने का संकल्प भी लिया। इसके अलावा उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनके और स्टाफ के द्वारा फरियादियों से मित्रवत व्यवहार ही होगा। इस दौरान समस्त गांव के प्रधान मौजूद रहे।

प्रदेश में एन०आर०एल०एम० योजना के तहत लाखों परिवारों के आर्थिक स्तर में हुआ सुधार

संस्कार उजाला

दीन दयाल अन्त्योदय योजना- एन०आर०एल०एम० भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। एन०आर०एल०एम० का प्रारम्भ पूर्व में संचालित स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना की कमियों जैसे कि ग्रामीण परिवारों का असामान्य गठन, सदस्यों का अनुपयुक्त क्षमतावर्धन, बैंक द्वारा पर्याप्त ऋण वितरण का अभाव एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन करने हेतु सक्षम- प्रोफेशनल्स का अभाव इत्यादि को दुरूस्त करते हुये किया गया। एन०आर०एल०एम० भारत सरकार द्वारा संचालित बड़े पैमाने पर गहन रूप से समुदाय द्वारा संचालित गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम है। उत्तर प्रदेश में इस योजना के क्रियान्वयन हेतु उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की स्थापना ग्राम्य विकास विभाग के संरक्षण में एक स्वायत्त संस्था के रूप में की गयी जिसका पंजीकरण सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के अन्तर्गत किया गया है। यह योजना उ०प्र० सरकार के ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संचालित की जाती है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य उ०प्र० राज्य में रह रहें ग्रामीण गरीब परिवारों की कम से कम एक महिला सदस्य को समूह एवं अन्य सामुदायिक संस्था के माध्यम से संगठित कर उन्हें स्वावलम्बी बनाना है। विविध आजीविका कार्यकलापों को ध्यान में रखते हुये मिशन 03 आधारों पर कार्य करता है:- गरीबों के लिये विद्यमान आजीविका विकल्पों में वृद्धि करना, बाहरी क्षेत्रों में रोजगार के अनुसार उनका कौशल विकास करना और स्वरोजगार एवं उद्यम शीलता (लघु उद्यमों के लिये) को प्रोत्साहित करना है। इस योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के एक करोड़ चार लाख ग्रामीण गरीब परिवारों को दस लाख स्वयं सहायता समूह, एक लाख ग्राम संगठन एवं तीन हजार संकुल स्तरीय संगठनों में संगठित करना है। मिशन अन्तर्गत बजट व्यवस्था भारत सरकार द्वारा 60 प्रतिशत एवं राज्य सरकार का 40 प्रतिशत के अनुपात में की जाती है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का उद्देश्य है कि ग्रामीण गरीब महिलाओं को स्वयं सहायता समूह एवं समूहों को ग्राम संगठन एवं संकुल स्तरीय संघ के रूप में संगठित करना, गठित स्वयं सहायता समूहों एवं उनके संगठनों का प्रशिक्षण एवं क्षमता वर्धन करना, ग्रामीण गरीब परिवारों का सामाजिक एवं आर्थिक विकास कर जीवन-यापन का बेहतर अवसर प्रदान करना, समूहों एवं उनके संगठनों कीआवश्यकताओं एवं जीविकोपार्जन हेतु मिशन की तरफ से रिवाल्विंग फण्ड एवं सामुदायिक निवेश निधि प्रदान करना, मिशन के अन्तर्गत गठित स्वंय सहायता समूहों को बैंक से कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाना प्रमुख है। उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का क्रियान्वयन इन्टेन्सिव रणनीति के अन्तर्गत राज्य के 75 जनपदों के 826 विकास खण्डों में किया जा रहा है। वर्तमान में मिशन के अंतर्गत 95 लाख से अधिक ग्रामीण क्षेत्र के परिवार की महिलाओं को कुल 8,55,479 स्वयं सहायता समूहों, 53,685 ग्राम संगठनों एवं 2,945 संकुल स्तरीय संघों से आच्छादित किया गया है। वर्ष 2023-24 में संतृप्तीकरण के अंतर्गत 23 लाख से अधिक परिवारों को समूहों से जोड़ा गया है। आजीविका संबंधित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु माननीय प्रधानमंत्री जी,भारत सरकार की प्रेरणा एवं मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में मिशन निरन्तर प्रगति की तरफ अग्रसर है, मिशन के अंतर्गत अभी तक कुल 6,67,501 स्वयं सहायता समूहों को रिवालिवंग फण्ड 5,02,615 स्वयं सहायता समूहों को सामुदायिक निवेश निधि के माध्यम से आच्छादित किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मिशन के अन्तर्गत 18,539 स्वयं सहायता समूहों के 1.95 लाख से अधिक परिवारों को 38.88 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि अवमुक्त की गयी एवं 21546 स्वंय सहायता समूहों के 2.26 लाख से अधिक परिवारों को 242.71 करोड़ रुपए से अधिक की से0आई0एफ0 की धनराशि अवमुक्त की गयी है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ग्राम्य स्तर पर महिला स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय समावेशन के माध्यम से विविधीकृत आजीविका संबंधित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न बैंकों से समन्वय स्थापित करते हुए समूह स्तर पर कम ब्याज पर त्वरित, आवश्यकता अनुसार मांग के अनुरूप समयबद्ध ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है। अभी तक मिशन के अंतर्गत 5.62 लाख स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को सतत आजीविका की दिशा में ऋण रुपए 5691 करोड़ उपलब्ध कराया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मिशन के अन्तर्गत 1.7 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों के 11 लाख से अधिक परिवारों को 881.95 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि कम ऋण पर स्वीकृत कराई गयी है।

बांदा की बेटी शहजादी को बचाकर स्वदेश वापस लाने के लिए सपाइयों ने सौंपा ज्ञापन

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बांदा जनपद में सोमवार को जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि बांदा के गोयरामुगली गांव की शहजादी जोकि जालसाजी का शिकार हो गई थी जिसपर एक बच्चे की मौत का इल्जाम है और उसको अबू धाबी की कोर्ट द्वारा मौत की सजा मुकर्रर की गई है जिसको लेकर उसके माता पिता का बुरा हाल है। आज महामहिम राष्ट्रपति भारत के नाम का संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा गया है जिससे भारत सरकार अपने प्रभाव से उसको बचा सके और सम्मान सहित भारत वापिस ला सके। पदाधिकारियों ने मांग करते हुए कहा है कि महामहिम राष्ट्रपति और भारत सरकार के हस्तक्षेप द्वारा बांदा की बेटी शहजादी को बचाया जाए और उसे सम्मान सहित भारत वापिस लाया जाए।

जेडीयू पदाधिकारियों का किया गया स्वागत

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बांदा जिले के अतर्रा तहसील श्रीराम पैलेस के पास जनता दल यूनाइटेड बांदा चित्रकूट मंडल के सह प्रभारी योगेश सोनी सुल्तानपुर से आए जिनके साथ में जनता यूनाइटेड प्रदेश सचिव सुशील पटेल डॉ० लाल पटेल का स्वागत करते प्रदेश अध्यक्ष जनता दल यूनाइटेड श्रमिक प्रकोष्ठ रवींद्र कुमार भारतीय साथ में मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार अनुरागी,जिला अध्यक्ष उमाकांत सविता, जिला अध्यक्ष श्रमिक प्रकोष्ठ जेडीयू होरीलाल वर्मा, जिला उपाध्यक्ष जेडीयू जय प्रकाश निगम, तहसील अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ चुन्नी वर्मा, जेडीयू जिला महासचिव अर्जुन सिंह जी ने फूल माला पहनाकर किया। इस दौरान अजीत कुमार जेडीयू बिसंडा ब्लॉक अध्यक्ष, जिला सचिव बौद्धिक प्रकोष्ठ जेडीयू बाली तिवारी, अतर्रा तहसील अध्यक्ष दिलीप गुप्ता, राजा भैया यादव, वसील अली, राजू खान, अमित पांडे, आदि सभी जेडीयू के पदाधिकारी एवम कार्यकता लोगो ने खुशी जाहिर की और आए हुए अतिथियों का स्वागत किया गया। इस मौके पर संगठन के विस्तार में विशेष चचाएं भी को गई। सभी ने सह प्रभारी के सामने अपनी अपनी बात रखी।

सोमवार को चला बैंको से संबंधित विशेष चेकिंग अभियान

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

पुलिस अधीक्षक बांदा अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में जनपद में अपराध तथा अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा बैंकों और उसके आसपास के क्षेत्रों से होने वाली लूट, छिनैती, चोरी तथा टप्पेबाजी जैसी घटनाओं को नियंत्रित करने के मद्देनजर सोमवार 09 सितंबर 2024 को सोमवार का विशेष बैंक चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के क्रम में समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा बैंक शाखाओं को चेक किया गया। चेकिंग के दौरान बैंकों में लगे सुरक्षा उपकरणों यथा सीसीटीवी कैमरों, आपातकालीन अलार्म तथा अग्निशामक यंत्रों को चेक किया गया। कुछ एक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे खराब पाये गये जिसके संबंध में बैंक अधिकारियों से वार्ता कर उन्हे ठीक करवाने के लिए कहा गया। पुलिस द्वारा बैंक अधिकारियों/कर्मचारियों से वार्ता कर उन्हे बैंक का कार्य सुचारू रुप से चलाने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था प्रदान करने का आश्वासन दिया गया। पुलिस द्वारा बैंक सुरक्षा गार्डों को निर्देशित किया गया कि बैंक में आने वाले ग्राहकों के वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े हो ताकि सड़क पर आने जाने वालों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस दौरान बैंकों के आसपास टहल रहे संदिग्ध व्यक्तियों तथा संदिग्ध वाहनों की भी चेकिंग की गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा द्वारा पुलिस कार्यालय में की गई जनसुनवाई, संबंधित को तत्काल समस्या के निस्तारण हेतु दिए आदेश।

संस्कार उजाला

विशेष संवाददाता मनोज पाठक इटावा

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित कर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया एवं महोदय द्वारा लोगों की समस्याओं को सुनकर संबंधित को तत्काल निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत किये गये।

जनपदीय कानून/सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा के निर्देशन में समस्त थाना प्रभारी/थानाध्यक्षों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत पैदल गस्त एवं संदिग्ध व्यक्ति/ वाहन चेकिंग की गयी ।

संस्कार उजाला

विशेष संवाददाता मनोज पाठक इटावा

जनपद की कानून व्यवस्था/ सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी तथा सुदृढ़ बनाए रखने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार के निर्देशन में आज दिनांक 09.09.2024 को जनपद के समस्त थानाध्यक्ष/ थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में पुलिस बल के साथ आबादी वाले क्षेत्रों, चौराहों, बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पैदल गस्त एवं संदिग्ध व्यक्ति/ वाहन चेकिंग करते हुए आम लोगों से संवाद किया गया एवं उनको सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया गया ।

गणेश पंडाल पर पथराव की घटना के बाद बुलडोजर कार्यवाही, सैयदपुरा में अवैध निर्माणों का सफाया

सूरत । शहर के सैयदपुरा इलाके में कुछ विधर्मियों द्वारा बीती रविवार की रात गणेश पंडाल पर पथराव की घटना के बाद आज सूरत महानगर पालिका (एसएमसी) ने अवैध निर्माणों पर बुलडोजर कार्यवाही शुरू कर दी। एसएमसी प्रशासन ने भारी पुलिस सुरक्षा के साथ शहर के सैयदपुरा समेत आसपास बने अवैध निर्माणों का सफाया कर दिया। एसएमसी की कार्यवाही से अवैध निर्माणों करनेवालों में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक सूरत के सैयदपुरा इलाके में गणेश पंडाल पर हुए पथराव को लेकर आज गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने सूरत पुलिस कमिश्नर कार्यालय में शहर के मेयर, पुलिस कमिश्नर, निगम अधिकारियों समेत अन्य आला अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के बाद हर्ष सांघवी ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और पुलिस ने घर-घर जाकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए असामाजिक तत्वों को पकड़ा है। उन्होंने कहा कि अशांति फैलाने का प्रयास करनेवालों को बर्दाश्त नहीं किया सकता। हर्ष संघवी ने इस मौके पर सामाजिक संगठनों से अपील करते हुए कहा कि गुजरात को देश का सबसे बड़ा ग्रोथ इंजन बनाने के लिए दिन-रात काम करना है। मैं अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं से अपील करता हूं कि वे ऐसे युवाओं को सही रास्ता दिखाएं। उन्होंने कहा कि इस बात का भी ख्याल रखा गया है कि कोई निर्दोष व्यक्ति जेल न जाये। दूसरी ओर गृह मंत्री के आदेश के हरकत में आए एसएमसी प्रशासन ने सैयदपुरा समेत आसपास के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर कार्यवाही शुरू कर दी। सूरत मेयर के निर्देशानुसार स्थानीय क्षेत्र से अवैध निर्माणों का सफाया कर दिया गया है। सूरत के मेयर दक्षेश मवानी ने कहा कि बैठक में इन अवैध निर्माणों को लेकर भी चर्चा हुई और उन पर कार्यवाही करने का फैसला किया गया। गणेश पंडाल पर पथराव की घटना के अवैध निर्माण हटाओ अभियान युद्ध स्तर पर चलाया गया है। मेयर ने कहा कि पत्थर फेंकने वाला हर व्यक्ति समाज का अपराधी है। उन्होंने कहा कि बुलडोजर कार्रवाई अवैध निर्माणों पर की गई है और आने वाले दिनों में भी यह जारी रहेगी।

गुजरात के मोरबी से सीहोर के 7 आदिवासी बंधकों को रिहा कराया

भोपाल । सीहोर जिले के शाहगंज के गांव खटपुरा के सात आदिवासी बंधकों को गुजरात के मोरबी से छुड़ाया गया है। सोमवार की रात तक वह अपने घर वापस पहुंच जाएंगे। गुजरात गए इन सात आदिवासी मजदूरों को बंधक बनाकर रखा गया था। रामेश्वर नामक ठेकेदार इन मजदूरों को 17000 रुपए महीने की पगार पर गुजरात के मोरबी लेकर गया था। उसके बाद मोरबी में बंधक बनाकर इन लोगों से काम लिया जा रहा था। एक आदिवासी मजदूर ने वीडियो बनाकर गुपचुप तरीके से भेजा, जब यह मामला सामने आया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह का यह विधानसभा क्षेत्र है। सूचना मिलते ही कलेक्टर सीहोर द्वारा एसडीएम और तहसीलदार को बुधनी भेजा गया था। मजदूर परिवारों से मोबाइल नंबर पता करके जानकारी प्राप्त की। गुजरात के मोरबी प्रशासन को बंधक बनाने की सूचना दी गई। उसके बाद इन आदिवासी मजदूर को छुड़ाया गया। मोरबी जिला प्रशासन ने उन्हें रिहा कराकर वापस भेजा है।

इंफाल में पुलिस के खिलाफ सड़कों पर लोग

इंफाल । मणिपुर में हाल में हुए ड्रोन हमलों की निंदा कर रैली निकालने के बाद, इंफाल में राजभवन और मुख्यमंत्री के बंगले के निकट पहुंचे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के कई गोले दागे। हजारों लोगों ने टिडिम रोड पर तीन किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार्च किया और जब पुलिस ने उन्हें रोका, तब वे कड़ी सुरक्षा वाले क्षेत्र की ओर बढ़ गए। राज्य और केंद्रीय बलों की एक टुकड़ी ने सड़क पर अवरोधक लगा दिए। घटनास्थल पुलिस मुख्यालय, राज्य सचिवालय और भाजपा कार्यालय के निकट है। प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठ गए और संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा हाल में किए गए ड्रोन हमलों की निंदा करते हुए नारे लगाए और घटना में शामिल लोगों को गिरफ्तार करने में अधिकारियों की ''अक्षमता'' की निंदा की। उन्होंने ड्रोन हमलों को रोकने में कथित रूप से विफल रहने के लिए राज्य के पुलिस महानिदेशक को पद से हटाने की मांग करते हुए नारे लगाए।

नशे की हालात में एयरपोर्ट पर हंगामा..... मलयालम अभिनेता गिरफ्तार

कन्नूर । मलयालम अभिनेता विनायकन को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया। अभिनेता पर आरोप है कि वहां कथित तौर पर नशे की हालत में एयरपोर्ट स्टाफ से बदतमीजी कर रहे थे। सीआईएसएफ इंस्पेक्टर ने बताया कि विनायकन कोच्चि से इंडिगो की फ्लाइट से हैदराबाद आए थे और यहां से गोवा जाने वाले थे। तभी एयरपोर्ट के गेट पर वे स्टाफ के साथ बदतमीजी करने लगे और वे पूरी तरह से नशे की हालत में थे। सीआईएसएफ इंस्पेक्टर ने कहा, अभिनेता शराब के नशे में थे और उन्होंने उस हालत में काफी हंगामा किया। जिसके बाद फौरन मामला दर्ज किया गया। विनायक को आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस को सौंप दिया गया और उनके खिलाफ सिटी पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज हुआ। बता दें कि पिछले साल भी, मलयालम अभिनेता को एक पुलिस अधिकारी की ड्यूटी में बाधा डालने और नशे की हालत में धमकी देने और दुर्व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अभिनेता ने कथित तौर पर एर्नाकुलम टाउन नॉर्थ पुलिस स्टेशन में हंगामा किया था, जहां पुलिस ने उन्हें उनके अपार्टमेंट में उनकी पत्नी के साथ विवाद के सिलसिले में बुलाया था। विनायकन कई मलयालम फिल्मों के अलावा कई तमिल फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। साल 2023 में आई सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर में उन्होंने विलेन का रोल निभाया था जिसके बाद उनके काफी ज्यादा तारीफ मिली थी।

निलंबित आईपीएस अधिकारी दास पर महिला ने लगाया यौन शोषण का आरोप

मलप्पुरम। निलंबित आईपीएस अधिकारी सुजीत दास के लिए नई मुसीबत खड़ी हो गई है। पोन्नानी की रहने वाली एक महिला ने उन पर और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों पर यौन शोषण का आरोप लगाया है। दास के अलावा, पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में पूर्व पोन्नानी सीआई विनोद वलियाट्टूर का नाम भी शामिल है, जो अब कोट्टक्कल सीआई के पद पर कार्यरत हैं। महिला ने आरोप लगाया है कि पूर्व तिरूर डीएसपी वी वी बेनी, जो अब तनूर डीएसपी हैं, ने उसके साथ छेड़छाड़ का प्रयास किया, लेकिन मैंने उसका विरोध किया। पोन्नानी पुलिस ने कहा कि वे प्रारंभिक जांच के बाद ही शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज करुंगा। इस बीच, बेनी ने महिला के आरोपों को प्रसारित करने वाले न्यूज चैनल के खिलाफ मलप्पुरम पुलिस प्रमुख एस शशिधरन के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। मैं पुलिस प्रमुख से चैनल के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह करता हूं। विनोद और दास ने भी आरोपों को निराधार और उन्हें बदनाम करने की कोशिश करार दिया।

पटना में बेखौफ बदमाश... भाजपा नेता की गोली मार कर हत्या

पटना। पटना के चौक थाना इलाके में सोमवार सुबह बदमाशों ने बीजेपी के पूर्व मंडल अध्यक्ष मुन्ना शर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी। उन्होंने सोने की चेन छीनने का विरोध किया था, इसपर अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। घटना के बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति है। पटना में सोमवार सुबह एक दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां बेखौफ अपराधियों ने बीजेपी के पूर्व मंडल अध्यक्ष की गोली मारकर हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि आरोपी पूर्व मंडल अध्यक्ष के साथ लूटपाट करना चाहते थे, लेकिन विरोध करने पर आरोपियों ने उन्हें गोली मार दी। बताया जा रहा है कि हमलावर बीजेपी के पूर्व मंडल अध्यक्ष शर्मा के गले से सोने की चेन छीनना चाह रहे थे, लेकिन मुन्ना शर्मा ने उनका विरोध किया। इसपर आरोपियों ने उन्हें गोली मार दी। गोली लगने के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमाटम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। लोगों के मुताबिक एक दिन पहले ही रविवार को उनके बेटा का छेका (सगाई) हुआ था। सोमवार सुबह वे परिवार वालों को टेम्पो में बैठाने के लिए रोड पर आए थे। उनके गले में सोने की चेन थी। अपराधी घात लगाए हुए थे और उन्हें शिकार के लिए बुजर्ग मुन्ना शर्मा नजर आ गए। मौका पाकर आरोपियों ने उनके गले से सोने की चेन छीनने की कोशिश की।

राहुल गांधी के बयान पर गिरिराज सिंह... एक गद्दार संघ को नहीं समझ सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया है। दरअसल सोमवार को अमेरिका के टेक्सास में कार्यक्रम के दौरान राहुल ने बीजेपी और आरएसएस पर तंज करते बयान दिया था। इसके जवाब में गिरिराज सिंह ने कहा, एक गद्दार आरएसएस को नहीं समझ सकता है। राहुल गांधी ने कहा कि संघ मानता है कि भारत एक विचार है, जबकि हमारा मानना है कि भारत विचारों की बहुलता है।

राहुल गांधी की आलोचना का जवाब देकर केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि अगर उनकी दादी से आरएसएस की भूमिका के बारे में पूछने की कोई तकनीक है, तब उन्हें ऐसा करना चाहिए या इतिहास के पन्नों में झांकना चाहिए। संघ को सही मायने में समझने के लिए राहुल गांधी को कई जन्मों की जरूरत होगी। एक देशद्रोही आरएसएस को नहीं समझ सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ऐसा लगता है कि राहुल गांधी केवल भारत को बदनाम करने के लिए विदेश यात्रा करते हैं। वे इस जिंदगी में कभी भी संघ को समझ नहीं पाएंगे, क्योंकि यह भारत के मूल्यों और संस्कृति में निहित है।

कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा द्वारा राहुल गांधी की तारीफ करने के बाद बीजेपी नेता अमित मालवीय ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनकी उच्च शिक्षा, व्यापक अध्ययन और रणनीतिक सोच की वजह से उन्हें समझना आसान नहीं है। पित्रोदा का बयान तब आया, जब वे टेक्सास में भारतीय प्रवासियों को संबोधित कर रहे थे, जहां राहुल गांधी दौरे पर हैं। मालवीय ने व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा, कभी-कभी राहुल गांधी को समझना आसान नहीं होता है, उनके गुरु पित्रोदा कहते हैं। उनकी गलतियां ऐसी होती हैं, जिससे ब्लूपर्स बनते हैं। पित्रोदा ने कहा है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी का नजरिया बीजेपी के नजरिए के विपरीत है और वह पप्पू नहीं हैं।

बड़ी साजिश- रेलवे ट्रैक पर रखा गैस सिलेंडर और पेट्रोल से भरी बोतल, बड़ा हादसा टला

कानपुर। रेलवे ट्रैक पर मिली रही संदिग्ध वस्तुओं को देखकर ऐसा लगा रहा है कि देश में कोई बड़ी साजिश रची जा रही है। क्योंकि रेलवे ट्रैक के साथ बार-बार छेड़छाड़ की घटना सामने आ रही है। ताजा मामला कानपुर से है, जहां रेलवे ट्रैक पर सिलेंडर मिला। हालांकि ड्राइवर की सूझबूझ से बड़ा हादसा होने से टल गया। अनवरगंज-कासगंज के बीच भिवानी जा रही कालिंदी एक्सप्रेस के ट्रैक पर सिलेंडर रखा हुआ मिला। बाकी बरामद सामान में कांच की पेट्रोल से भारी बोतले भी मिली हैं, जिसमें बत्ती भी लगी हुई थी (पेट्रोल बम की तरह), एक सफेद रंग का बैग भी मिला है। शक जताया जा रहा है कोई बड़ी साजिश रची गई थी। लेकिन सवाल ये अब भी है कि इस तरह की हरकत कौन कर रहा है?

ट्रेन की स्पीड ज्यादा थी, जिसकी वजह से ट्रेन को रोकते-रोकते ट्रेन सिलेंडर से जा टकराई। इसके चलते बहुत जोर सी आवाज आई। लेकिन गनीमत रही की किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। इसके बाद ड्राइवर ने आरपीएफ को सूचना दी। मामले की जानकारी मिलते ही आनन-फानन में अधिकारी मौके पर पहुंचे। टीम ने जांच के बाद करीब 200 मीटर दूर सिलेंडर बरामद किया। सिलेंडर भरा हुआ मिला। जांच में अन्य संदिग्ध वस्तुएं भी बरामद हुई हैं। आरपीएफ ने कहा कि साजिश की घटना से इनकार नहीं जा सकता है। फिलहाल आरपीएफ ने एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

इस सर्वे के बाद हरकत में आई भाजपा, अमित शाह ने महायुति के नेताओं संग की बैठक

पटना (एजेंसी)। महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 9 सितंबर को महाराष्ट्र गठबंधन सरकार के घटक दलों के शीर्ष नेतृत्व के साथ सीट-बंटवारे समझौते पर विचार-विमर्श किया। बैठक, कथित तौर पर 45 मिनट तक चली। महायुति सरकार के शीर्ष नेतृत्व ने राज्य में होने वाले अत्यधिक विवादास्पद विधानसभा चुनावों से पहले सीट-बंटवारे समझौते पर विचारों का आदान-प्रदान किया। गौरतलब है कि बैठक के दौरान, जिसमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे, राकांपा नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, साथ ही एक अन्य उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले शामिल थे।

शाह ने इस बात पर जोर दिया गठबंधन सरकार के नेताओं से कहा कि सीट-बंटवारे की व्यवस्था में सभी का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने आग्रह किया कि इसकी समीक्षा के लिए तत्काल एक संयुक्त बैठक बुलाई जाए। इसके अलावा बैठक के दौरान इस बात पर भी सहमति बनी कि महायुति नेताओं की अगली बैठक दिल्ली में होगी, जहां सीट आवंटन को लेकर अंतिम चर्चा होगी। इस बीच, यह ध्यान रखना उचित है कि शाह की महायुति नेताओं के साथ बैठक तब हुई है जब उन्होंने महाराष्ट्र की अपनी दो दिवसीय यात्रा के पहले दिन पिछली रात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेतृत्व की बैठक की अध्यक्षता की थी। सूत्रों के मुताबिक, उस बैठक में उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी की तैयारियों की समीक्षा की और बीजेपी नेताओं को लोकसभा चुनाव की गलतियों को सुधारने और आपसी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

अगस्त महीने में हुए एम्पिरीकल और मास सर्वे के अनुसार, इस बार महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति को 123 सीटें और महाविकास आघाडी को 152 सीटें मिल सकती हैं। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर में हो सकते हैं। इस बैठक में सीएम शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से हाल ही में दिए गए विवादास्पद बयानों पर भी बात की गई।

16 माह बाद भी खड़ा हुआ ये यक्ष प्रश्न... क्यों नहीं रुक रही मणिपुर में हिंसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर हिंसा की आग में जल रहा है। पूर्वोत्तर के इस राज्य में लूट, हत्याओं और अशांति की खबरें आम हैं। मणिपुर में 3 मई 2023 से हिंसा का दौर शुरू हुआ था। लेकिन 16 महीने बाद भी राज्य में शांति बहाल नहीं हुई। मणिपुर में हालात की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लग सकता हैं कि वहां हिंसा में शामिल दोनों समुदायों के पास वे हथियार हैं जिनका इस्तेमाल आमतौर पर युद्ध में होता है। सेना इस कदर मजबूर है कि उन्हें एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात करने पड़े हैं। पहाड़ों और घाटियों में लोगों ने बंकर बना रखे हैं। अब सवाल ये उठता है कि 16 महीने बाद भी हिंसा क्यों नहीं थम रही?

इसके कई कारण हैं। आसान भाषा में पूरी लड़ाई दो जातीय समूह कुकी और मैतई के बीच है। ज्यादातर मैतई समुदाय के लोग घाटी में रहते हैं और वहीं कुकी समुदाय के लोग पहाड़ों पर रहते हैं। हिंसा के बाद इन दोनों समुदायों का एक-दूसरे के स्थानों पर जाना बंद सा है। यही अलगाव हिंसा न थमने का एक बड़ा कारण भी है।

दोनों की अलग-अलग लोकेशन होने के चलते पूरा इलाका एक सरहद में बदल चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ने अपने लिए सेफ बंकर बना लिए हैं। भारी मात्रा में हथियार दोनों के पास ही मौजूद हैं। जिससे जब मौका मिलता है तब वे एक-दूसरे पर हमला करते हैं और फिर बंकर में छिप जाते हैं। घाटी और पहाड़ी होने के चलते उन्हें रोक पाना भी मुश्किल हैं।

असम जैसे हालात गोवा में भी, राज्यपाल बोले- ईसाई घटे हैं और मुस्लिम लगातार बढ़ रहे

कोच्चि(ईएमएस)। असम जैसे हालात गोवा में भी बनने लगे हैं। यहां के राज्यपाल एस. श्रीधरन पिल्लाई ने रविवार को दावा किया कि राज्य में ईसाई आबादी में तेजी से कमी आई है। वहीं मुस्लिमों की संख्या पहले के मुकाबले बढ़ गई है। उन्होंने केरल की एक चर्च में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि गोवा में ईसाई आबादी पहले के 36 प्रतिशत से घटकर 25 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने कहा, 'मैंने एक वरिष्ठ पादरी से बात की। मैंने उन्हें बताया कि कैथोलिक समुदाय के सदस्यों का प्रतिशत घटकर 25 प्रतिशत हो गया है, जबकि इस्लामी समुदाय के सदस्यों का प्रतिशत पहले के तीन प्रतिशत से बढ़कर 12 प्रतिशत हो गया है। बता दें कि जनसंख्या के असंतुलन की बात असम, उत्तराखंड जैसे कई राज्यों में भी कही जाती रही है। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा तो लगातार यह कहते रहे हैं कि राज्य में मुस्लिमों की आबादी में तेजी से इजाफा हो रहा है और इसकी वजह बांग्लादेश से होनी वाली घुसपैठ है।

विदेश से आए शख्स में मिले मंकीपॉक्स के लक्षण, अस्पताल में किया आइसोलेट

-स्वास्थ्य मंत्रालय पता लगा रहा किन-किन व्यक्ति के संपर्क में रहा मरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंकी पॉक्स जो दुनिया के कई देशों में फैल चुका है जिसे लेकर डब्ल्यूएचओ भी चेतावनी जारी कर चुका है। अब भारत में भी इसकी एंट्री हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक हाल ही में एक मरीज विदेश से भारत आया है, जो ऐसी कंट्री में था जहां पर मंकी पॉक्स की बीमारी फैली है। मंकी पॉक्स जैसे लक्षण होने के कारण मरीज को आइसोलेट कर दिया गया है। उसके सभी टेस्ट किए जा रहे हैं। मरीज को डेसिग्नेटेड अस्पताल में आइसोलेट किया गया है और वर्तमान में उसकी हालत स्थिर है।स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप मामले को देखा जा रहा है। यह पता लगाने के कोशिश की जा रही है कि कौन-कौन उस व्यक्ति के संपर्क में आया है। मंत्रालय ने कहा ऐसे मामलों से निपटने के लिए पूरी तैयार कर रखी है और किसी भी संभावित जोखिम से निपटने के लिए मजबूत उपाय किए गए हैं। केंद्र सरकार ने सभी राज?यों को जरूरी गाइडलाइंस जारी की हैं। साथ ही राज?यों को कोरोना वायरस की चुनौती के बीच अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। पिछले दिनों हुई स्वास्थ्य मंत्रालय की बैठक में यह बात सामने आई थी कि मंकीपॉक्स का दो से चार सप्ताह का संक्रमण होता है और रोगी आमतौर पर सहायता संबंधी प्रबंधन से ठीक हो जाते हैं। संक्रमित व्यक्ति के साथ लंबे समय तक साथ रहने और आमतौर पर यौन संबंध, शरीर, घाव के तरल पदार्थ के साथ सीधे संपर्क या संक्रमित व्यक्ति के दूषित कपड़े, चादर का इस्तेमाल करने से होता है। बता दें डब्ल्यूएचओ ने इससे पहले जुलाई 2022 में मंकीपॉक्स को पीएचईआईसी घोषित किया था जिसके बाद मई 2023 में इसे रद्द कर दिया था। 2022 से वैश्विक स्तर पर डब्ल्यूएचओ ने 116 देशों से मंकीपॉक्स के कारण 99,176 मामले और 208 मौतें होने की बात कही थी।

नीतिश क्यों मारते हैं बार-बार पलटी... उपेंद्र कुशवाहा ने किया खुलासा

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फिर महागठबंधन में शामिल होने की अटकलों ने जोर पकड़ा है। दरअसल ये अटकलें तब शुरू हुईं जब नीतीश कुमार और लालू-तेजस्वी का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वहीं सीएम नीतीश कुमार ने यह कह सभी अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश की कि वह अब इधर-उधर नहीं जाएंगे। बिहार सीएम के बयान पर उपेंद्र कुशवाहा ने सवाल उठाकर कहा है कि जब वे एनडीए में हैं ही, तब यह कहने की क्या जरूरत है?

दरअसल, पूरा मामला तब शुरू हुआ जब बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने 3 सितंबर को मुख्यमंत्री कुमार से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद से ही राजनीतिक गलियारों में नीतीश के फिर से महागठबंधन में जाने की अटकलें तेज हो गईं। इसी बीच नीतीश कुमार और लालू-तेजस्वी का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे इन अटकलों को और हवा मिली। नीतीश के इस बयान पर भी बयानबाजी तेज हो गई है। सियासी गलियारों में चर्चा है कि

नीतीश जो कहते हैं, वे बिल्कुल नहीं करते हैं। महागठबंधन में थे, तब भी इसी तरह का बयान देते थे। और एनडीए में हैं तब भी वहीं बयान दे रहे हैं।

नीतीश को बोलने की जरूरत क्या है...

इधर, नीतीश के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कुशवाहा ने कहा कि नीतीश एनडीए में हैं, यह बात बिल्कुल ठीक है। राजद के साथ जाकर उन्होंने जो महसूस किया, अब दोबारा-तिबारा सवाल ही पैदा नहीं होता कि उधर जाने की बात नीतीश कुमार करें। यह बात बिल्कुल सच है, लेकिन उनसे व्यक्तिगत मेरा आग्रह है कि इस बोलने की क्या जरूरत है?

बारिश ने बदला नक्शा, अब यूपी, बिहार ही नहीं कई राज्यों को किया जलमग्न

- 2036 तक ऐसी आपदाओं से देश के 147 करोड़ से ज्यादा लोग होंगे प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बारिश के कहर से साफ तौर पर नजर आ रहा है कि भारत में बाढ़ का नक्शा बदल रहा है। क्योंकि पहले नक्शे में सिर्फ यूपी, बिहार, उत्तर पूर्वी राज्यों में बाढ़ का खतरा रहता था। अब शहरी जलप्रलय की सीमाएं बढ़ रही हैं। सरकार को नया नक्शा बनाने की जरूरत है।

पूरे देश में बारिश का मौसम बदल चुका है। ऐसा माना जा रहा है कि इस बार मानसून भी देरी से ही विदा होगा। वजह है बंगाल की खाड़ी और अरब सागर के ऊपर बनने वाले चक्रवात, डिप्रेशन और लो प्रेशर एरिया। अब नया पैटर्न आ गया है तूफान का। वह बनता जमीन पर लेकिन खिसक कर समंदर में चला जाता है उसके बाद उसकी ताकत और भी बढ़ जाती है। देश में जो इलाके पहले सूखे जाने जाते थे, अब वहां तेज बारिश हो रही है। भयानक बाढ़ आ रही है या फिर दोनों ही स्थितियां हैं।

अगर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अथॉरिटी की माने तो सबसे ज्यादा बाढ़ वाले इलाके गंगा-ब्रह्मपुत्र बेसिन में हैं। उत्तर में हिमाचल से लेकर पंजाब, बिहार, यूपी असम और अरुणाचल प्रदेश हैं लेकिन अब तो तटीय राज्यों ओडिशा, गुजरात, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में भी बाढ़ आ रही है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात के 80 फीसदी जिलों में पिछले दो दशकों में बारिश की मात्रा और तीव्रता दोनों ही बढ़े हैं। इस साल सौराष्ट्र में आई बाढ़ ने यह बता दिया है। देश में पहले 110 जिले थे, जो सूखे से बाढ़ की तरफ गए थे लेकिन अब सूखे से ज्यादा बाढ़ झेलने वाले 149 जिले हैं। बिहार, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, यूपी और असम के 60 फीसदी जिले साल में एक बार जरूर चरम मौसमी आपदा का सामना करते हैं। 2036 तक ऐसी आपदाओं से देश के 147 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित होंगे।

1973 से 2023 तक होने वाली सभी चरम आपदाओं की स्टडी रिपोर्ट में की गई है। हैरानी करने वाली बात यह है कि दिल्ली, गुजरात, तेलंगाना, राजस्थान की बाढ़ ग्रस्त हो गए हैं। वायनाड में भूस्खलन हो या फिर चमड़ी गलाने वाली गर्मी हो। वैज्ञानिक और एक्सपर्ट इनके होने का अंदाजा नहीं लगा सकते। क्योंकि इनकी तीव्रता, मात्रा अचानक बढ़ जाती है। असम के 90 फीसदी, बिहार 87 फीसदी, ओडिशा के 75 फीसदी और आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के 93 फीसदी जिले भारी बाढ़ की स्थिति से कभी भी परेशान हो सकते हैं।

ये स्टडी करने वाले प्रमुख वैज्ञानिक अबिनाश मोहंती ने बताया कि अब गर्मी जमीन से बहकर समंदर की ओर जा रही है। जैसा अभी गुजरात, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में हुआ। इससे समंदर की गर्मी और बढ़ रही है। इसका असर मौसम पर पड़ता है। जैसे दक्षिण भारत में श्रीकाकुलम, कटक, गुंटूर और बिहार का पश्चिम चंपारण जो पहले बाढ़ के लिए जाना जाता था, अब वहां सूखा पड़ रहा है। ये खासतौर से मैदानी इलाकों में ज्यादा हो रहा है।

30 लाख की हीरोइन सहित व्यक्ति काबू, बाइक पर सवार होकर जिले में बेचने के लिए आ रहा था तस्कर

यमुनानगर । हरियाणा के यमुनानगर जिले में लगातार हो रही नशा तस्करी पर कहीं ना कहीं अब लगाम लगेगी, क्योंकि सीआईए वन की टीम ने आधा किलो हीरोइन एक व्यक्ति से पड़ी है जो बाइक पर सवार होकर जिले में बेचने के लिए आ रहा था। पकड़ी गई हीरोइन की कीमत करीब 30 लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे रिमांड पर लिया जाएगा। जिले में अब तक की सबसे बड़ी खेप पुलिस ने पकड़ी है। इंचार्ज यादविंदर सिंह ने बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति बाइक पर सवार होकर कैत मंडी के पास शहर में नशे की खेप लेकर प्रवेश करेगा। गुप्त सूचना के आधार पर सब इंस्पेक्टर धर्मपाल, एएसआई राजेंद्र सिंह, जगतार पंकज अमरजीत सुशील अवतार की टीम का गठन किया गया। टीम ने नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी। कुछ देर बाद एक व्यक्ति बाइक पर आता दिखाई दिया जो टीम को देख भागने लगा लेकिन टीम ने उसे दबोच लिया। मौके पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट डीएसपी हेडक्वार्टर कमलजीत को बुलाया गया, जिसके सामने पकड़े गए व्यक्ति की तलाशी ली तो उसके पास से आधा किलो हीरोइन बरामद हुई, जिसकी पहचान उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के अहमद कॉलोनी निवासी इमरान के नाम से हुई। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया जहां से उसे रिमांड पर लिया गया है, फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं इंचार्ज यादवेंद्र सिंह ने बताया कि पकड़ी गई हीरोइन की कीमत करीब मार्केट में 30 लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपी यह खेप शहर में बेचने के लिए आ रहा था और करीब एक साल से वह नशे का कारोबार कर रहा है। इंचार्ज यादविंदर सिंह ने बताया कि जिस आरोपी को पकड़ा गया यह मुख्य तस्कर है, क्योंकि छोटे-छोटे सप्लायरों को बड़ी खेप इन्हीं के माध्यम से दी जाती है।

पटवारी को अगवा कर लाखों रूपये फिरौती लेने के मामले में षड्यंत्रकारी काबू, अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया

सोनीपत। सोनीपत के गोहाना रोड से पटवारी का अपहरण कर दो करोड़ की फिरौती मांगने के बाद 19 लाख रुपये लेकर छोड़ने के मामले में पुलिस ने षड्यंत्रकारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी मूलरूप से करनाल के जयसिंहपुरा हाल गन्नौर के गांधी नगर का रहने वाला संदीप है। वारदात में आरोपी की गाड़ी का ही प्रयोग किया गया था। पुलिस ने मुख्य आरोपियों की पहचान कर ली है। आपको बता दें कि मयूर विहार निवासी पटवारी ओमप्रकाश ने वीरवार को पुलिस को बताया था कि वह सोनीपत की जाजी तहसील में पटवारी हैं। बीती 04 सितम्बर बुधवार को सुबह वह मयूर विहार स्थित अपने घर से कार्यालय के लिए निकले थे। रास्ते में खाकी पेंट, पुलिसकर्मियों जैसी बेल्ट व जूते और सफेद कमीज पहने युवक ने इशारा कर उनकी गाड़ी रुकवा ली थी। लिफ्ट लेने के बाद आरोपी ने उनकी कनपटी पर पिस्तौल तान दी थी और उनकी ब्रेजा गाड़ी में ही अपहरण कर घुमाते रहे। पीछे दूसरी गाड़ी में आरोपी के अन्य तीन साथी भी आ गए थे और दो करोड़ रुपये का इंतजाम करने का दबाव बनाया था। बाद में वह दबाव बनाकर 19 लाख रुपये लेकर भाग गए थे। उन्होंने पटवारी को गांव बड़वासनी के पास छोड़ दिया था। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

रुपेश हत्याकांड में दो आरोपी गिरफ्तार, डेढ़ माह पहले हुई कहासुनी की रंजिश में दिया था वारदात को अंजाम

सोनीपत । सोनीपत जिले के गांव रेवली रजबहा के पास देवडू गांव के खेतों में कच्चे रास्ते पर युवक की शराब पिलाकर हत्या करने के मामले से पर्दा उठाते हुए क्राइम यूनिट सेक्टर-27 ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने करीब डेढ़ माह पहले हुई कहासुनी की रंजिश में वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस आरोपियों को आज अदालत में पेश कर रिमांड पर लेगी। मिली जानकारी के अनुसार विकास नगर गली नंबर-8 निवासी कोमल ने 6 सितंबर को पुलिस को बताया था उनके पति रुपेश 4 सितंबर को सुबह पांच बजे काम पर जाने के लिए घर से निकले थे। उसके बाद से वह वापस नहीं लौटे। शुक्रवार को उन्हें सूचना मिली थी कि रेवली रजबहा के पास देवडू के खेत में पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया है। उसे नागरिक अस्पताल में रखवाया गया है। उन्होंने अस्पताल में पहुंचकर पति के शव की पहचान की थी। उसने आरोप लगाया था कि अज्ञात हमलावरों ने शराब पिलाकर उनके पति की हत्या की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था।

कहासुनी के चलते उतारा था मौत के घाट - वहीं पुलिस प्रवक्ता रविंद्र कुमार ने बताया कि सोनीपत क्राइम यूनिट सेक्टर-27 की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी विकास नगर निवासी सावन व सचिन है। सावन ने पूछताछ में बताया कि करीब डेढ़ माह पहले उसकी रुपेश के साथ कहासुनी हो गई थी। जिसके चलते उसे शराब पीने के बहाने बुलाकर वारदात को अंजाम दिया। ईंटों से हमला कर वारदात को अंजाम दिया था।

'दोनों दलों के अंदर भय है, दोनों भ्रष्टाचार...', कांग्रेस-'आप' गठबंधन पर सीएम सैनी का बड़ा दावा

कुरुक्षेत्र । हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल काफी बढ़ी हुई है। प्रदेश में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन को लेकर अभी भी तस्वीर पूरी तरह से साफ नहीं हुई है। इस बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'आप'-कांग्रेस अलायंस को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दोनों विरोधी पार्टियों पर तंज कसते हुए उन्हें भ्रष्टाचारी करार दिया है।

कांग्रेस का सूपड़ा साफ होना तय- सीएम सैनी

मुख्यमंत्री सैनी ने आगे कहा, 'हरियाणा की जनता ने तय कर लिया है चाहे कांग्रेस एक गठबंधन करे, चाहे वह दस गठबंधन करे कांग्रेस का सूपड़ा साफ होने वाला है हरियाणा में बीजेपी की सरकार तीसरी बार बड़ी बहुमत से बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों पार्टियां लोगों को बरगला कर के अपना उल्लू सीधा करना चाहती है। अब लोग समझ चुके हैं कि इनके नेतृत्व में विकास नहीं सिर्फ विनाश हो सकता है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि 14 तारीख को कुरुक्षेत्र में प्रधानमंत्री की रैली होनी है।

वहीं सैनी ने पहलवान और कांग्रेस नेता बजरंग पूनिया को जान से मारने की मिली धमकी को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि अगर उन्हें ऐसी कोई धमकी आई है तो हम उस पर कार्रवाई करेंगे। बजरंग पूनिया को विदेशी नंबर से उन्हें व्हाट्सऐप पर धमकी भरा मैसेज आया था, जिसके बाद उन्होंने इसकी शिकायत सोनीपत के बहालगढ़ थाने में की है। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है।

राव इंद्रजीत सिंह का लक्ष्मण सिंह के नामांकन में सीएम न बन पाने का छलका दर्द, बोले- जानता चाहती है...भगवान सुन रहे हैं

रेवाड़ी । रेवाड़ी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मण सिंह यादव ने केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंदरजीत सिंह की अगुआई में समर्थकों के साथ अपना नामांकन किया। इस अवसर पर राव इंद्रजीत सिंह ने लक्ष्मण सिंह यादव को अपनी शुभकामनाएं दी। इस दौरान पार्टी में बगावत के सवाल पर कहा कि बगावत कर निर्दलीय या अन्य दल से चुनाव लड़ना उनका हक है। जिसका पार्टी को मंथन करना होगा, फिर भी आपसी खींचतान को दूर करने का प्रयास करेंगे और रेवाड़ी से जीता हुआ कैंडिडेट पार्टी को देंगे। वहीं दूसरी ओर भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मण सिंह यादव ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद किया और कहा मिलकर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे।

वहीं केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने उनके सीएम बनने के सपने के

सवाल पर कहा कि कहा यह उनका नहीं जनता का सपना है। जनता चाहती है, अगर जनता ऐसा चाहती है तो भगवान भी सुन रहे हैं। राव ने रेवाड़ी से कांग्रेसी विधायक चिरंजीव राव के नामांकन में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पहुंचने के सवाल पर कहा पता नहीं चुनाव के बाद हुड्डा कैप्टन के साथ रहेंगे या नहीं, कैप्टन व चिरंजीव भी हुड्डा के साथ नजर आएंगे या नहीं यह वक्त बताएगा।

इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने बावल विधानसभा से अभी तक टिकट न मिलने के सवाल पर कहा कि यह उनके हाथ में नहीं है। यह तो पार्टी का अधिकार क्षेत्र है। 2019 में 75 पार और 2024 में 85 पार के नारे के सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं इस पर कुछ नहीं बोलूंगा।

भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मण सिंह यादव अपनी जीत को लेकर सौ फीसदी आश्वस्त हैं। उन्होंने नामांकन में स्थानीय भाजपा नेताओं के न पहुंचने के सवाल पर कहा कि 2014 और 19 में जिस प्रकार रेवाड़ी में भाजपा प्रत्याशियों का तनमन से सहयोग किया, उसी प्रकार सभी को साथ मिलकर बड़े मन से सहयोग करना चाहिये। रूठों को मनाएंगे चुनाव लड़ेंगे ओर भारी बहुमत से जीतेंगे जिसमें कोई संशय नहीं।

हरियाणा चुनाव के पहले 'आप' को बड़ा झटका, 'आप' के जिला अध्यक्ष रंजीत उप्पल भाजपा में हुए शामिल

पंचकूला। हरियाणा विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच आम आदमी पार्टी (आप) को एक बड़ा झटका लगा है। पंचकूला में आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष रंजीत उप्पल ने आज भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराते समय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा मौजूद थे।

बता दें कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के संदर्भ में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की संभावनाओं पर चर्चा चल रही है। हालांकि इस संबंध में अभी तक किसी भी पार्टी द्वारा आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन दोनों पार्टियों के बीच यह विषय चर्चा का केन्द्र बना हुआ है। माना जा रहा है कि आज इस पर कोई आधिकारिक ऐलान हो सकता है।

पलवल विधानसभा में त्रिकोणीय हुई लड़ाई, इनेलो-बसपा गठबंधन से पवन भड़ाना ने चुनाव लड़ने का किया ऐलान

पलवल। पलवल विधानसभा में चुनाव अब त्रिकोणीय हो चुका है, क्योंकि इनेलो-बसपा गठबंधन से पार्षद पवन भड़ाना ने विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर कर दिया है। इससे पहले कांग्रेस से पूर्व मंत्री करन दलाल और भाजपा से युवा नेता गौरव गौतम चुनावी मैदान में थे। पवन भड़ाना ने विधानसभा चुनाव लड़ने का ये फैसला गुर्जर धर्मशाला में पंचायत कर लिया। उन्होंने कहा कि वो व्यवस्था परिवर्तन के लिए 36 बिरादरी के आशीर्वाद से चुनाव लड़ रहे हैं और उनकी जीत होगी। आपको बता दें की पार्षद पवन भड़ाना पलवल के युवाओं में गहरी पैठ रखते हैं।

पवन भड़ाना पलवल नगर परिषद से लागर तीन बार से पार्षद हैं। वह पूर्व मंत्री कल्याण सिंह और विधायक सुभाष चौधरी के परिवार से ताल्लुकात रखते हैं। बात करें राष्ट्रीय पार्टियों की तो भाजपा ने मौजूदा विधायक दीपक मंगला का टिकट काटकर युवा नेता गौरव गौतम को दे दिया तो वहीं कांग्रेस से पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा के रिश्तेदार पूर्व मंत्री करन दलाल चुनावी मैदान में हैं। इसी बीच पंचायत कर सुभाष चौधरी ने चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया। आज पवन भड़ाना ने अपने समर्थकों की पंचायत कर इनेलो- बसपा गठबंधन से चुनाव लड़ने की घोषणा की।

उन्होंने कहा की वो लगातार तीन बार पलवल से पार्षद रहे हैं, विपक्ष में रहते हुए उन्होंने कभी लोगों को निराश नहीं किया। अपने निजी खर्चे से वार्ड में विकास कार्य कराये हैं। 24 घंटे समाज की सेवा की है कभी किसी को निराश नहीं किया। भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों की बुराई करने वाले लोग तो आपको मिल सकते हैं, लेकिन पवन की बुराई कोई नहीं कर सकता। आज सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार फैला हुआ है लोगों की सुनवाई नहीं होती, अस्पतालों में ना दवाई है ना डॉक्टर हैं, न ही पलवल में युवाओं के लिए अच्छे खेल स्टेडियम हैं। आज युवा बेरोजगार घूम रहे हैं और लोग व्यवस्था परिवर्तन चाहते हैं। बुजुर्गों के आशीर्वाद से वह इस चुनाव को लड़ने जा रहा हूं। 36 बिरादरी का आशीर्वाद उन्हें मिल रहा है। जिसकी बदौलत निश्चित तौर पर उनकी जीत होगी। चाहे सामने कोई भी प्रत्याशी हो उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता समाज का भाईचारा उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

भव्य बिश्नोई ने माता-पिता के साथ आदम पुर सीट से भरा नामांकन, कुलदीप बोले- तीसरी बार भाजपा बनाएगी सरकार

हिसार। आदमपुर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी भव्य बिश्नोई ने आज हिसार में अपना नामांकन दाखिल किया। भव्य के साथ बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता लघु सचिवालय पहुंचे। इस अवसर पर भव्य के पिता व पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई व माता रेणुका बिश्नोई भी मौजूद रहीं।

कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि एक पिता होने के नाते व आदमपुर निवासी होने के नाते बड़ी खुशी है कि एक पढ़ा लिखा और सुलझा हुआ नौजवान जनता की सेवा के लिए हार्वर्ड विश्वविद्यालय की पढ़ाई छोड़कर आया है। उन्होंने कहा कि आदमपुर में जनता के आशीर्वाद से एक तरफा चुनाव है। मैं दावे के साथ कह सकता हुं कि भाजपा तीसरी बार सरकार बनाएगी। इसका सबसे बड़ा

प्रमाण यह है कि कांग्रेस पार्टी अभी तक अपने प्रत्याशी घोषित नहीं कर पाई। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने दम पर सरकार बनाने में सक्षम है।

नामांकन दाखिल करने के उपरांत भव्य बिश्नोई ने कहा कि अपने माता-पिता का आशीर्वाद लेते हुए, आदमपुर की जनता व भगवान का आशीर्वाद लेते हुए नामांकन दाखिल किया है। भव्य ने कहा कि मैं खुद को भाग्यशाली समझता हूं कि मुझे पहले भी आदमपुर की जनता की सेवा करने का अवसर मिला और आगे भी उम्मीद है कि भविष्य में मैं पूरी मजबूती के साथ आदमपुर की जनता की सेवा करूंगा। उन्होंने कहा कि पिछले 56 सालों से चौधरी भजनलाल जी के परिवार से जो आदमपुर का अटूट विश्वास रहा, उसे मजबूती के साथ आगे बढ़ने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों से मुख्यमंत्री के आशीर्वाद से 800 करोड़ के विकास कार्यों को अंजाम देने का काम किया है। इसके नाम पर भी हम मैदान में उतारने का काम करेंगे।

जींद में प्रदीप गिल के चल रहे ताबड़तोड़ कार्यक्रम, लोगों का मिल रहा भरपूर जनसमर्थन

जींद । जींद विधानसभा में कांग्रेस नेता प्रदीप गिल को लोगों का भरपूर जनसमर्थन मिल रहा हैं। जींद की सावित्री नगर कॉलोनी में कांग्रेस नेता प्रदीप गिल का चाय कार्यक्रम हुआ। चाय कार्यक्रम में माताओं व बुजुर्गों का आशीर्वाद मिल रहा हैं। गिल को हर कार्यक्रम में मजबूती मिल रही हैं।

प्रदीप गिल ने कहा कि सावित्री नगर कॉलोनी में मेरा वो घर है, जहां मैं पैदा हुआ, बड़ा हुआ और जहां से मेरे बचपन के वो लम्हे आज भी मेरे जहन में, मेरे शरीर में, मेरे आत्मा में है। मैं आज इलेक्शन जो आ रहा है, उसके लिए मैं अपने बड़ों का आशीर्वाद लेने पहुंचा। वही नौजवान साथियों से बात करने पहुंचा कि जो बूथ स्तर की कमेटियां हम लोग बनाने जा रहे हैं, हमारे साथी उस पर कितने मजबूत है? और कितनी मजबूती से मेरा साथ देने वाले हैं? आने वाले चुनाव के लिए तो यहां पर पहुंचकर एक अलग ही आभास होता है। जैसे किसी गांव में बच्चा पैदा होता है, उस गांव से अटैचमेंट होती है। ऐसे मेरी इस कॉलोनी से अटैचमेंट है और आज भी एक दुख भी होता है कि कॉलोनी की स्थिति आज भी वैसे ही है, जैसे ही आज से 35 साल पहले थी। आज से 35 साल पहले भी यहां पानी चढ़ता था, अभी भी काई दिख रही होगी। आपको ये काई इसलिए लगती है, जहाँ पानी खड़ा होता है। पानी बरसाती जब यहां चढ़ता है तो मैंने खुद अपने डिब्बों से पानी निकाला हुआ है। आज भी माननीय विधायक जी कहते हैं, हमने चहुमुखी विकास कर दिया तो मेरी इस गली में आके बताएं की क्या विकास कर दिया? मैं आज खुले तौर पर विधायक जी को कहना चाहता हूँ कि किसी कॉलोनी में आ जाए, एक गली साफ़ दिखा दे। एक नाली साफ दिखा दे और बारिश आ जाए, तब आ जाए तो मज़ा ही आ जाए।

विनेश फोगाट का चुनाव लड़ने का रास्ता साफ, रेलवे ने इस्तीफा किया मंजूर

दिल्ली। पहलवान विनेश फोगाट के हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ने पर बना संशय देर रात रेलवे की ओर से इस्तीफा मंजूर किए जाने के बाद खत्म हो गया है। रेलवे ने विनेश और पहलवान बजरंग पूनिया का इस्तीफा औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया है। फोगाट को चुनाव लड़ने के लिए रेलवे की तरफ से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) लेना जरूरी था।

दरअसल रेलवे नियमों के अनुसार नौकरी छोड़ने के लिए तीन माह पहले नोटिस देना होता है। माना जा रहा था कि रेलवे ने नामांकन प्रक्रिया की आखिरी तारीख 12 सितंबर तक एनओसी नहीं दिया, तो विनेश चुनाव नहीं लड़ पाएंगी। विनेश को कांग्रेस ने जुलाना विधानसभा से प्रत्याशी बनाया है। बजरंग को राष्ट्रीय किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

बता दें कि विनेश और पूनिया रेलवे में खेल विभाग के अधिकारी पद पर थे। दोनों के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस्तीफा स्वीकार किए जाने की थी। शनिवार दिन भर गहमागहमी के बाद देर रात रेलवे की ओर से इस्तीफा मंजूर होने के बाद सभी अटकलों पर विराम लग गया है।?माना जा रहा है कि राहत मिलने के बाद विनेश जल्द ही नामांकन दाखिल कर सकती हैं।

राहुल गांधी ने अमेरिका में आरएसएस व पीएम मोदी की तीखी टिप्पणी, भड़क गए अनिल विज

अंबाला। हरियाणा में इस समय चुनावी संग्राम छिड़ा हुआ है। भाजपा-कांग्रेस के बीच तीखी जुबानी जंग चल रही है। हालही में राहुल गांधी ने अमेरिका की टेक्सस युनिवर्सिटी में छात्रों से रुबरु हुए थे। इस दौरान उन्होंने बीजेपी, आरएसएस और देश के प्रधानमंत्री को लेकर तीखी टिप्पणी की। जिस पर हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज भड़क गए। राहुल गांधी के बयानों पर कड़ी

प्रतिक्रिया दी है। राहुल गांधी ने टेक्सस में कि बीजेपी, आरएसएस की धारणा है कि महिलाएं घर पर बैठें, रसोई में खाना बनाएं और ज्यादा बात न करें। इस पर हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने राहुल गांधी पर पलटवार किया और कहा कि राहुल गांधी की ये आदत में शुमार है कि वह बाहर जा कर देश को गालियां देते हैं। देश में रहते हुए भी ये कई बार ऐसा कर चुके, जिससे लगता है कि ये बाहर वाले देशों की भाषा बोलते हैं। विज ने कहा कि राहुल के अंदर देश कितना है ये सारा हिंदुस्तान जानता है। राहुल गांधी को ऋस के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उनको पता होना चाहिए कि आरएसएस में भी महिलाओं की विंग बनी हुई है। गांधी ने यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्सस में विद्यार्थियों से गुफ्तगूं के दौरान ये भी कहा कि लोकसभा नतीजे आने के बाद यह साफ़ है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस का डर लोकसभा चुनाव के बाद लगभग गायब हो गया है। राहुल के इस बयान पर विज ने फिर से राहुल गांधी पर हमला बोला और कहा कि राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि आज भी रूस जैसी महाशक्ति यूक्रेन के साथ युद्ध में मध्यस्था करने के लिए नरेंद्र मोदी का नाम लेती हैं। यही बात इटली की प्रधानमंत्री ने भी कही की हिंदुस्तान इस मामले में मध्यस्था कर सकता है। ये नरेंद्र मोदी की मजबूती का सबसे बड़ा सबूत है। राहुल गांधी ने टेक्सास में चीन की तारीफ करते हुए कहा कि चीन ग्लोबल व्यापार की तरफ ध्यान देता है, लेकिन भारत में बेरोजगारी और व्यापार का बुरा हाल है। विज ने इस पर भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि मैंने तो पहले ही कहा है कि राहुल गांधी विदेशियों की भाषा बोलते हैं। अब ये नहीं पता की राहुल गांधी किस किस देश के एजेंट हैं, लेकिन बोलते ये बाहर के देशों की भाषा ही हैं।

फरीदाबाद की नंदीग्राम गौशाला में 25 गायों की अचानक मौत...कई की हालत गंभीर, जांच में जुटी पुलिस

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ में स्थित नंदीग्राम गौशाला में लगभग दो दर्जन गायों की आज सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इसके साथ ही कुछ गायों के हालात गंभीर हैं, जिनका डॉक्टरों की टीम इलाज कर रही है। वहीं गायों की मौत का कोई स्पष्ट कारण नहीं पता चल पाया है। हालांकि गायों के शवों का पोस्टमार्टम कराने की तैयारी चल रही है। जिससे पता चल सके गायों की मौत असल वजह क्या है। इस मामले में जानकारी देते हुए गौ रक्षक शिवा दहिया और हरिमोहन ने बताया कि जैसे ही उन्हें इसकी सूचना मिली, वह नंदीग्राम गौशाला पहुंचे तो देखा कि कुछ गायें तड़प रही थीं, जिनके मुंह से झाग और खून आ रहा था और कुछ गाय मरी पड़ी थी, जिनकी संख्या लगभग 25 के आसपास है। घटना के बाद इसकी जानकारी गौशाला के संचालक रूपेश को दी गई और उनसे फोन कर इसकी जानकारी लेने का जब प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। फिलहाल डॉक्टर की टीम बुलवाकर गायों का इलाज शुरू कर दिया है।

सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का हुआ उद्घाटन

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय। जिले की मिश्रिख तहसील क्षेत्र के अरसेहड़ा गांव में भारत विकास परिषद की शाखा सीतापुर के द्वारा संवाद भारत फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष/संस्थापक दिव्यांश वाजपेई ने गांव की दस लड़कियों को नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण सीखने का कार्य गांव में शुरू किया। यह पहल समाज के लिए एक बहुत ही लाभकारी पहल है।जिसमें गांव और क्षेत्र की लड़कियों को सिलाई सीखने का नि:शुल्क अवसर मिलेगा। इस सिलाई केन्द्र का उद्घाटन विक्रांत खंडेलवाल क्षेत्रीय संगठन मंत्री भारत विकास परिषद ने किया। इस मौके पर प्रशिक्षण केन्द्र संचालिका सुधा,वीरेंद्र, शोभित,सलिल,यतेंद्र,आनंद प्रांजली,सुलोचना,मीना, नीलम,विद्याधर मिश्र सहित तमाम संभ्रांत व्यक्ति उपस्थित रहे।

पुलिस ने चलाया सघन वाहन चेकिंग अभियान

सीतापुर राकेश पाण्डेय। पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र के निर्देश पर रविवार को जिले की कमला पुर पुलिस ने कस्बे के प्रमुख मार्गो पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान से वाहन चालकों में हड़कंप की स्थिति बनी रही। बताते हैं कि जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर शासन की ओर से सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। और हर हाल में कानून व्यवस्था की स्थिति सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस की नकेल कसी गई है। इसके मद्देनजर पिछले दिनों पुलिस ने सड़क पर शराब पीने वालों के विरूद्ध अभियान चलाया था। पुलिस ने रात्रि में शराब पीकर हुड़दंग मचाने वालों पर सख्ती की थी प्रशासन का मानना है कि आमतौर पर अपराध की वृद्धि में इनकी अहम भूमिका होती है। उधर बाइक सवारों पर पुलिस की कड़ी नजर है। इसी के मद्देनजर रविवार को सरैया मोड आदि स्थानों पर वाहनों की सघन चेकिंग की गई।इस दौरान वाहनों पर सवार लोगों की जहां जांच की गई वहीं उनके कागजात भी चेक किए गए। थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि आगे भी चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इस मौके पर थाने के सब इंसपेक्टर सहित कई संख्या में पुलिस कर्मी मौजूद थे।

ग्राम पंचायत सेमौरा की समस्याओं को लेकर राष्ट्र वादी युवा अधिकार मंच ने जिलाधिकारी को सौंपा पत्र

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय। जिले की विकास खण्ड ऐलिया क्षेत्र की ग्राम पंचायत सेमौरा में तालाब के जीर्णोद्धार व नाली सड़क निर्माण को लेकर राष्ट्रवादी युवा अधिकार मंच द्वारा जिलाधिकारी को पत्र सौंपा गया। जिलाध्यक्ष एस के तूफानी ने बताया कि ग्राम सेमौरा कलां के ग्रामीणों द्वारा पत्र लिखकर अपनी समस्या से संगठन को अवगत कराया गया था। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए जिला अधिकारी को सम्बोधित एक पत्र सौंपा गया। कि ग्राम पंचायत में मेन मार्ग जर्जर है ग्रामीणों का और कोई दूसरा रास्ता भी नहीं है जिससे ग्रामीणों को आने जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है इसे तत्काल दुरुस्त कराया जाये। इसके अलावा नाली सड़क का निर्माण कार्य कराते हुए तालाब का जीर्णोद्धार तुरन्त करवाया जाये। ग्रामीणों द्वारा कई बार ग्राम प्रधान से शिकायत भी की गई और मामला सुर्खियों में भी रहा फिर भी समस्या का समाधान नहीं हुआ।जिसको लेकर ग्रामीणों ने राष्ट्रवादी युवा अधिकार मंच बैनर तले जिलाधिकारी को पत्र सौपते हुए समस्याओं के समाधान हेतु जांच कर कार्यवाही करने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान समय रहते नहीं हुआ तो संगठन आगे आंदोलन करने को भी मजबूर होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, एडवोकेट संतोष कुमार,श्रेष कुमार सिंह,आदर्श राज, शैलेंद्र कुमार,तेजपाल,उमा कांत,विमल कुमार,विक्की कुमार,नीरज कुमार,राज बहादुर मोनू कुमार सहित कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

मालीवाड़ा चौक पर जाम लगाने के मामले में 150 के खिलाफ मुकदमा....

संस्कार उजाला

संवाददाता माधव कुमार

गाजियाबाद। चाचा-भतीजे की सड़क हादसे में हुई मौत के बाद कार सवारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर आबेडकर रोड पर जाम लगाने के मामले में पुलिस ने 150 के खिलाफ सिहानीगेट थाने में मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि अनैतिक मांग को लेकर आरोपियों ने जाम लगाया, जिससे बड़ी तादाद में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि आरोपी उन लोगों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे, जो कार में सवार थे, जबकि कार चालक को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। उनकी वजह से बड़ी तादाद में मरीज और आम लोगों को परेशानी हुई। एसीपी सलोनी अग्रवाल ने बताया कि मौके की वीडियोग्राफी भी कराई गई थी। फोटो भी जुटाए गए हैं। सभी लोगों को चिन्हित किया जा रहा है। यह था मामला : बृहस्पतिवार रात को ई-रिक्शा चालक रिंकू और उनके भतीजे सक्षम को कार ने रौंद दिया था। इसमें उनकी मौत हो गई थी। पुलिस ने कार चालक प्रणब मित्तल को गिरफ्तार कर लिया। रिंकू और सक्षम के परिजनों का कहना था कि कार में और लोग भी सवार थे, उनको भी गिरफ्तार किया जाना चाहिए। सभी लोग इस घटना के लिए जिम्मेदार हैं। जाम लगाकर लोगों ने पुलिस पर आरोपियों से मिलीभगत का आरोप लगाया।

क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में रहने वाले मनीष दयाल चालान के नाम पर ठगी

संस्कार उजाला गाजियाबाद

चालान के नाम पर ठगी कैसे की जा रही है बताते चलें आजकल आप लोगों के पास चालान का मैसेज आएगा जरूरी नहीं है कि वह चालान आपका ही हुआ हो क्योंकि आपका रजिस्ट्रेशन नंबर जो है उस पर आपकी एचएसआरपी प्लेट होगी लेकिन कुछ अपराधी किस्म के लोग लोकल नंबर प्लेट बनवाने वालों से सेम कलर की मोटरसाइकिल चोरी करके उस पर वह नंबर लगाकर चल रहे हैं ऐसा ही एक मामला थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में रहने वाले मनीष दयाल के साथ हो रहा है मनीष दयाल के मुताबिक उसके मोबाइल में चालान के मैसेज आए उसने देखा कि यह तो मेरी मोटरसाइकिल नहीं है और ना ही इस पर मैं बैठा हूं और नंबर प्लेट भी एचएसआरपी नहीं है वह तुरंत क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र स्थित कमल सिनेमा हॉल के पास पुलिस चौकी पर कंप्लेंट लिखवा कर आया और उसने ऑनलाइन भी कंप्लेंट की है लेकिन वह अपराधी अभी तक पकड़ा नहीं गया है आज सुबह भी उसकी मोटरसाइकिल के चालान आए हैं जिसमें वह अपराधी किस्म के लोग ट्रिपलिंग कर रहे हैं बिना हेलमेट के

गाजियाबाद भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान 2024 तेजी न तो रुकना है और न ही थकना है महानगर संजीव शर्मा

संस्कार उजाला

गाजियाबाद(आशा चौधरी) भाजपा महानगर द्वारा संचालित सदस्यता अभियान गाजियाबाद में एक बड़े लक्ष्य को लेकर महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश संगठन में अपनी एक नई पहचान बनाने के मार्ग पर निरंतर अग्रसर है। सदस्यता अभियान में लगे पदाधिकारी , जनप्रतिनिधि ,कार्यकर्ता सभी अपने अपने लक्ष्य को भेदने का काम कर रहे हैं। महनगर अध्यक्ष सजीव शर्मा ने अब खुद मंडल मंडल जाकर अभियान को गति देने का काम कर रहे हैं। इसी कडी में उन्होंने मुरादनगर शहर मंडल और मुरादनगर देहात मंडल में जाकर अभियान को बूस्टर करने का काम किया। वहां मौजूद कार्यकताओं से महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने कहा न तो रुकना है और न ही थकना है। सदस्यता अभियान की बैठक के दौरान ही कार्यकताओं ने पश्चिम उत्तर प्रदेश में प्रथम सर्वाधिक सदस्य बनाने वाले जिले की सूची में गाजियाबाद महानगर का नाम आने पर अध्यक्ष संजीव शर्मा को माला पटका पहनाकर बधाई दी। इसके साथ सभी ने प्रदेश सदस्यता अभियान में गाजियाबाद दूसरे नंबर पर आने के लिए भी बधाई दी। आंकड़े आने के बाद गाजियाबाद के कार्यकताओं में जोश है। संजीव शर्मा ने सभी का आभार जताते हुए कहा हम 1और 1 ग्यारह हैं। इस उपलब्धि के आप सब भी बराबर के हकदार हैं। हमारा पूरा शोर सदस्यता पर जोर। आपको मालूम है भाजपा का सदस्यता अभियान का प्रथम चरण 25 सितंबर तक चलेगा। दूसरा चरण एक अक्तूबर से 15 अक्तूबर तक चलेगा। सदस्यता अभियान में सभी पदाधिकारी एकजुटता के साथ कार्य करें।

शिकायतों के आधार पर एसडीएम के आदेशानुसार गैस एजेंसियों की हुई जांच

संस्कार उजाला

लोनी (आशा चौधरी) मीडिया एवं समाचार पत्रों के माध्यम से तहसील लोनी क्षेत्रान्तर्गत गैस एजेंसियों पर घरेलू गैस सिलेण्डरों में घटतौली करके उपभोक्ताओं को दिये जाने की प्राप्त शिकायतों पर उपजिलाधिकारी लोनी के निर्देशानुसार आपूर्ति विभाग एवं विधिक माप विज्ञान विभाग की संयुक्त टीम से गैस एजेंसियों की जांच की गयी। जांच टीम द्वारा मैसर्स अनमोल इण्डेन सेवा ग्राम असालतपुर फरूखनगर एवं मैसर्स भूमिका इण्डेन गैस सर्विस खन्ना नगर लोनी के गोदामों की ऐजेन्सी के मालिक मैनेजरों की उपस्थिति में आकस्मिक जाँच की गयी। जांच के दौरान टीम द्वारा 14.2 कि0ग्रा0 के घरेलू एल0पी0जी0 सिलेण्डर एवं 19 कि0ग्रा0 के कमर्शियल सिलेण्डर की रेण्डम आधार पर तौल करायी गयी। जाँच से सभी गैस सिलेण्डरों का वजन मानक के अनुरूप सही पाया गया। इस दौरान उपजिलाधिकारी लोनी राजेन्द्र कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि तहसील लोनी क्षेत्रान्तर्गत भविष्य में भी इस प्रकार समय समय पर अन्य गैस एजेंसियों की भी जांच की जायेगी। यदि किसी भी एजेंसी के गोदाम पर अथवा भरे गैस सिलेण्डरों की सप्लाई के दौरान यदि घटतौली की शिकायत की पुष्टि होती है तो एजेंसी के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

गाज़ियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी विवेक त्यागी ने 71वी बार किया रक्तदान

संस्कार उजाला

आशा चौधरी गाज़ियाबाद

विवेक त्यागी रक्त दान करके बचा चुके है अनगिनत जान गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन की टीम के पदाधिकारियों को क्रांतिकारी यू ही नही कहा जाता है ये क्रांतिकारी शिक्षा व्यवस्था में बदलाव करने की मुहिम में तो अपना सर्वोत्तम योगदान दे ही रहे है लेकिन जब बात समाज सेवा की हो तो वहा भी अपना सर्वश्रेष्ठ देने से पीछे नहीं हटते इसी का उदाहरण आज गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी विवेक त्यागी ने मणिपाल हॉस्पिटल में पंजाब केसरी समूह के संस्थापक अमर शहीद लाला जगत नारायण की 43 वी पुण्यतिथि पर अपने जीवन का 71 वी बार रक्त दान किया इस मौके पर पंजाब केसरी समूह के स्टाफ द्वारा विवेक त्यागी को मैडल, ट्राफी और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया इससे पहले विवेक त्यागी द्वारा रक्त दान करके अनेको जान बचाई जा चुकी है विवेक त्यागी का कहना है की रक्त दान से बड़ा कोई दान नहीं होता, एक बार रक्त दान करके आप कम से कम तीन जरूरतमंद लोगो के जीवन को बचा सकते है साथ ही रक्त दान हमारे शरीर को बेहतर स्वास्थ्य के लिए पुनर्जीवित भी करता है में भगवान का धन्यवाद करता हूं की उन्होंने मुझे इस पुण्य कार्य को करने का अवसर प्रदान किया है ।

नवनियुक्त लेखपालों के प्रशिक्षण सत्र का हुआ शुभारम्भ।

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय।जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने सोमवार को राजकीय इण्टर कालेज सीतापुर स्थित लेखपाल प्रशिक्षण केन्द्र में नवनियुक्त लेखपालों के प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ किया। इस प्रशिक्षण केन्द्र में सत्तर लेखपालों को आगामी छः माह तक सैद्धान्तिक प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर जिला अधिकारी ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लेखपालों को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुये प्रेरित किया कि पूर्ण मनोयोग,निष्ठा एवं लगन से प्रशिक्षण प्राप्त करें तथा सभी नियमों एवं शासनादेशों की समुचित जानकारी भी प्राप्त करें। किसी भी सन्दर्भ में कोई संशय होने पर तत्काल अनुभवी प्रशिक्षकों से उसका निराकरण अवश्य कर ले। अपने सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समय से पूर्ण करते हुये उसे उसकी पुनरावृत्ति अवश्य करें। जिलाधिकारी ने कहा कि लेखपाल राजस्व विभाग का महत्वपूर्ण अंग है। जनता के सीधे सम्पर्क में रहकर शासन की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने, शिकायतों एवं समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के साथ साथ आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य में लेखपाल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। इसलिए जनता के प्रति सेवा का भाव रखते हुये अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों का पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन करें। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन की ओर से सदैव अच्छे कार्यो की सराहना की जाती है तथा उन्हें पूर्ण सहयोग भी प्रदान किया जाता है परन्तु लापरवाही, गलत आचरण तथा जनता से खराब व्यवहार करने वालों को आदि को दण्डित किये जाने का भी प्राविधान है। इसलिए सभी जनता के कार्यो को निष्ठापूर्ण एवं अच्छा व्यवहार करते हुये अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करे। प्रशिक्षण सत्र में अपर जिलाधिकारी ने नितीश कुमार सिंह ने कहा कि लेखपाल राजस्व व्यवस्था की रीढ़ है। आपदा के दौरान प्रबंधन में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन उसके द्वारा किया जाता है। उन्होंने प्रशिक्षण सत्र का पूर्ण लाभ उठाने हेतु प्रेरित करते हुये कहा कि ज्ञान ही सबसे बड़ी ताकत है जिससे व्यक्ति प्रत्येक स्थान पर सम्मान प्राप्त करने का हकदार हो जाता है तथा सेवाकाल में की जाने वाली गलतियों से भी बचता है। इस अवसर पर उप जिला अधिकारी सदर ज्ञानेद्र द्विवेदी,डिप्टी कलेक्टर बाल कृष्ण सिंह,प्रधानाचार्य लेखपाल प्रशिक्षण केन्द्र/तहसीलदार विनोद कुमार सिंह,प्रधानाचार्य राजकीय इण्टर कॉलेज अनिल कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

संभावित मरीजों की होगी पहचान, टीबी की पुष्टि होने पर होगा उपचार: सीएमओ , सक्रिय क्षय रोगी खोज अभियान की टीमों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीई पी) के तहत सोमवार नौ सितंबर को दस दिवसीय सक्रिय क्षय रोगी खोज (एसीएफ) अभियान का शुभारम्भ किया गया इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरपाल सिंह ने इस अभियान में लगी टीमों को हरी झंडी दिखाकर जिला क्षय रोग केन्द्र से रवाना किया। अभियान से जुड़ी टीमों के सदस्यों को किट भी वितरित की गईं। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर संभावित क्षय रोग के लक्षण वाले मरीजों की पहचान करेंगी। जिसके बाद चिन्हित इन संभावित रोगियों की टीबी की जांच की जाएगी और टीबी की पुष्टि होने पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा उनका इलाज शुरू किया जाएगा। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरपाल सिंह ने बताया कि यह अभियान आगामी बीस सितंबर तक चलेगा। इस दौरान अनाथालय, वृद्धाश्रम,नारी निकेतन,ईंट - भट्ठे,निमार्णाधीन प्रोजेक्ट, फल व सब्जी मंडी,क्रेशर, बाल संरक्षण गृह, लेबर मार्केट आदि में संभावित टीबी रोगियों की खोज की जाएगी।उन्होंने बताया कि जिले की कुल आबादी की बीस फीसद आबादी को आच्छादित करते हुए शहरी एवं ग्रामीण बस्ती तथा हाई रिस्क क्षेत्र में यह अभियान चलेगा उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले की कुल आबादी चौव्वन लाख अट्ठावन हजार तीन सौ पचपन है, इसका बीस फीसद यानि दस लाख इक्यानबे हजार छः सौ इकहत्तर आबादी में यह अभियान चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि टीबी (क्षय रोग) माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस जीवाणु की वजह से होता है। टीबी (क्षय रोग) का बैक्टीरिया ज्यादा तर फेफड़ों पर हमला करता है लेकिन यह फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य भागों को भी प्रभावित कर सकता हैं। यह रोग हवा के माध्यम से फैलता है। जब क्षय रोग से ग्रसित व्यक्ति खांसता, छींकता या बोलता है तो उसके साथ संक्रामक ड्रॉपलेट न्यूक्लिआई उत्पन्न होता है जो कि हवा के माध्यम से किसी अन्य व्यक्ति को संक्रमित कर सकता है। ये ड्रॉपलेट न्यूक्लिआई कई घंटों तक वातावरण में सक्रिय रहते हैं। जब एक स्वस्थ व्यक्ति हवा में घुले हुए इन माइकोबैक्टी रियम ट्यूबरक्लोसिस ड्रॉपलेट न्यूक्लिआई के संपर्क में आता है तो वह इससे संक्रमित हो सकता है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. मनोज देशमणि ने बताया कि इस अभियान में चार सौ अठारह टीमें लगाई गयी हैं और हर टीम में आशा,आंगन वाड़ी एवं कम्युनिटी वोलेंटियर रहेंगे। प्रत्येक पांच टीमों पर एक सुपरवाइजर की तैनाती की गई है। हर ब्लॉक में एक चिकित्सा अधिकारी को इस अभियान का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि इस साल बीते जुलाई माह तक तिरानबे सौ सत्तासी टीबी रोगियों की खोज की जा चुकी है, इन सभी का उपचार स्वास्थ्य विभाग द्वारा कराया जा रहा है। इस मौके पर उप जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. श्याम सुन्दर,जिला कार्यक्रम समन्वयक आशीष दीक्षित सहित क्षय रोग विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

सांसद अतुल गर्ग ने लेबर चौक पर कैम्प लगाकर मजदूरों को दिलाई भाजपा की सदस्यता

संस्कार उजाला

आशा चौधरी (गाजियाबाद)

सोमवार की सुबह सांसद अतुल गर्ग ने नासिरपुर रेलवे क्रॉसिंग लेबर चौक पर कैम्प लगा कर मजदूरों को भाजपा का सदस्य बनाया। मजदूरों में सदस्य बनने वालो में प्रमुख रूप से कालूराम, अरविंद, राकेश, राजू, रामानंद, अरविंद पेंटर संतोष सिंह, राजाराम, अरविंद यादव, प्रवीण, सुधाकर, महेंद्र, राधेश्याम, बबलू, शौकत अली रहे। वही सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र मित्तल मेंदी वालो ने सुल्लामल राम लीला कमेटी के अध्यक्ष 78 वर्षीय वीरेंद्र कुमार वीरों बाबा व वरिष्ठ कांग्रेसी 80 वर्षीय पंडित जय वीर शर्मा को भाजपा की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर अतुल गर्ग ने बताया कि भाजपा अंत्योदय मंत्र पर कार्य करती है वह पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति के बारे में भी सोचती है। सभी पात्र व्यक्ति भाजपा की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। कैम्प में प्रमुख रूप से व्यापार प्रकोष्ठ महानगर सयोजक अनुज मित्तल व मनीष दूध वालो का विशेष सहयोग रहा।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर में इलाज कर रहे मुन्ना भाई ने ले ली एक जान

पुलिस के हस्तक्षेप से हुई सुलह के बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से किया इंकार।

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय। कोतवाली लहरपुर क्षेत्र के शाहपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में इलाज करा रहे एक मरीज को मुन्ना भाई के इंजेक्शन लगाने के बाद अधेड़ की मौत हो गई। अधेड़ की मौत के बाद हंगामा कर रहे परिजनों ने गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी।लेकिन अंततः पुलिस के हस्तक्षेप से हुई सुलह के बाद परिजनों ने मृतक का पोस्ट मार्टम कराने से इंकार कर दिया। बताते हैं कि अस्पताल में इंजेक्शन लगाने की बात मुन्ना भाई द्वारा स्वयं कबूल की गई।जिसको लेकर अस्पताल के चिकित्सक की भूमिका पर सवालिया निशान लग गया। ताजा मामला कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर का है जहां सोमवार की सुबह तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल पहुंचे रुकनापुर निवासी विनोद पुत्र छोटन्न को अस्पताल में चिकित्सक की सहमति पर चिकित्सक का खाना बनाने वाले व्यक्ति मुन्ना भाई द्वारा इंजेक्शन दिया गया। इसके बाद विनोद के मुख से झाग निकलने लगा और विनोद की मौत हो गई। विनोद की मौत के बाद अस्पताल में मौजूद परिजनों ने मुन्ना भाई पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए जम कर हंगामा काटा। और मामले की सूचना भदफर पुलिस को दी गई। वहीं मामला तूल पकड़ते ही मौके पर पहुंचे मीडिया के कैमरे में मुन्ना भाई द्वारा दिया गया बयान भी कैद हो गया। जिसमें मुन्ना भाई ने बताया कि चिकित्सक की सहमति पर उनके द्वारा इंजेक्शन लगाया गया था। लेकिन घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस के हस्तक्षेप के बाद एका एक परिजन मान गए। और परिजनों द्वारा लिखित सुलहनामा पर अंगूठा लगा दिया गया।सुलह नामा के अनुसार मृतक की अधिक शराब पीने से मौत हुई। परिजनों के सुलह पत्र लिखने के बाद पुलिस द्वारा घटना का पटाक्षेप कर दिया गया। और

शव परिजनों को पुलिस ने सौंप दिया गया। इंजेक्शन लगाने वाले मुन्ना भाई को मिला अभयदान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर में विनोद की मौत के बाद परिजनों द्वारा हंगामा करते हुए अस्पताल के चिकित्सक का खाना बनाने वाले मुन्ना भाई पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया गया था। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। वहीं इंजेक्शन लगाने वाले मुन्ना भाई द्वारा कैमरे के सामने कबूल किया गया कि चिकित्सक की सहमति पर उनके द्वारा मरीज विनोद को इंजेक्शन लगाया गया था। लेकिन फिर भी सारे आरोपों को नकारते हुए भदफर पुलिस और अस्पताल के चिकित्सकों का जादू काम कर गया।और कुछ क्षण बाद ही मृतक के परिजनों ने सारे आरोप वापस ले लिए। और सुलह पत्र में परिजनों ने लिख दिया कि विनोद की मौत अधिक शराब पीने की वजह से हुई है। लेकिन मुन्ना भाई द्वारा कबूली गई बात का वायरल वीडियो कुछ और ही बयां कर रहा है। अब देखना यह है कि सुलह पत्र लिखवाने वालों का जादू काम करता है या मुन्ना भाई द्वारा कबूली गई बात का वीडियो। इसके बावजूद भी कार्यवाही होना या न होना तो उच्च अधिकारियों की कर्तव्य निष्ठा पर निर्भर कर रहा है।

लखनऊ से लखीमपुर जाते समय राज्य महिला आयोग की सदस्य का हुआ भव्य स्वागत।

संस्कार उजाला

लखनऊ से लखीमपुर जाते समय राज्य महिला आयोग की सदस्य का हुआ भव्य स्वागत।

सीतापुर राकेश पाण्डेय।भारतीय जनता पार्टी की नेता सुजाता कुमारी के राज्य महिला आयोग का सदस्य बनने पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ ने खुशी मनाई मिठाई खिला कर एक दूसरे का मुँह मीठा कराया। जानकारी के अनुसार भारतीय जनता पार्टी की कद्दावर नेता सुजाता कुमारी के राज्य महिला आयोग का सदस्य बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं में खुशी की लहर है।पहली बार जब वह अपने गृह जनपद लखीमपुर जा रही थीं।तब हरगांव चौराहे पर भाजपा कार्यकताओं नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। बताते चलें कि भारतीय

जनता पार्टी के नेता व पूर्व जिला पंचायत सदस्य अरुणेश त्रिपाठी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने फूल मालाओं के साथ उनका स्वागत अभिनंदन किया। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य अरुणेश त्रिपाठी,राजू सिंह, रामेन्द्र शुक्ल,चेयरमैन गफ्फार खां आदि ने स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री उदित बाजपेई सुनील मिश्र बब्बू,भारतीय जनता पार्टी के हरगांव मंडल अध्यक्ष संजय जायसवाल,राजू सिंह,बीलू शुक्ला, भाजपा नेता समर बहादुर सिंह (समरू),उदय वीर सिंह सचिन मिश्रा, अशोक मिश्र (सभासद), अभिषेक सिंह, बाटू सिंह, ओम सिंह,रामेंद्र शुक्ला, मुकेश दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

गाजियाबाद श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर में सोमवार को भगवान श्री गणेश के तीसरे अवतार महोदर की पूजा-अर्चना

मोहासुर का गर्व चूर करने के लिए भगवान गणेश ने महोदव अवतार लिया था: महंत नारायण गिरी महाराज

संस्कार उजाला

गाजियाबाद आशा चौधरी सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर में आयोजित 11 दिवसीय श्री दूधेश्वर गणपति लडडू महोत्सव के तीसरे दिन सोमवार को भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करने के लिए भक्तों की भीड उमड पडी। सोमवार को भक्तों ने मंदिर में भगवान गणेश के तीसरे स्वरूप महोदर की विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर, श्री पंच दशनाम जूना अखाडा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व हिंदू यूनाइटिड फ्रंट के अध्यक्ष महंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि राक्षसों का अंत करने व अपने भक्तों की रक्षा के लिए भगवान गणेश ने अनेक अवतार लिए। उनका तीसरा अवतार महोदर अवतार है। महंत नारायण गिरी महाराज ने बताया कि दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने मोहासुर नामक एक राक्षस को

अस्त्र.-शस्त्र की शिक्षा.दीक्षा देकर देवताओं के विरुद्ध लड़ने के लिए तैयार किया था। मोहासुर के अत्याचारों से परेशानी देवी-देवताओं ने मिलकर भगवान गणेश का आह्वान किया। तब गणेशजी ने महोदर अवतार लिया। महोदर अर्थात बड़े पेट वाला। महोदर अपने मूषक पर सवार होकर मोहासुर से युद्ध करने पहुंचे। मोहासुर ने बिना युद्ध किए महोदर अवतार को अपना इष्ट बना लिया। महाराजश्री ने बताया कि मोहासुर का गर्व भंग करने के लिए भगवान गणेश ने महोदर अवतार लिया जो ज्ञान का स्वरूप भी है। मंदिर में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक दूर्वा व लडडू तथा मोदक द्वारा गणपति जी का सहस्रार्चन व पूजन किया गया। गणेश स्तुति, षोडशोपचार राज उपचार, भगवान गणेश के सहस्त्रनाम की भी पूजा हुई। भगवान का पंचामृत से अभिषेक किया गया। भगवान गणेश को लडडू व मोदक का भोग लगाया गया। रात्रि में आरती के बाद भोग लगाया गया व प्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर के मीडिया प्रभारी एस आर सुथार ने बताया कि 17 सितंबर को भगवान गणेश की पूजा-अर्चना के बाद मंदिर से शोभा-यात्रा निकाली जाएगी। शोभा-यात्रा शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए मुरादनगा गंग नहर स्थित श्री दूधेश्वर घाट पहुंचेगी, जहां भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011